राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उतरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उतरांचल,उतराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

क्रांति समय
SURESH MAURYA
(Chief Editor)
M. 98791 41480
YouTube Linked in
Working. off.: STPI-SURAT, GUJARAT-395023 (Software Technology Park of India, Surat.
www.krantisamay.com
www.krantisamay.in
krantisamay@gmail.com

सुरत–गुजरात,संस्करण गुरुवार–12नवम्बर2020 वर्ष–3, अंक–287 पृष्ठ–08, मुल्य–01रुपये

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

कोरोना का कहर : दिल्ली में सार्वजनिक स्थानों पर नहीं होगी छठ पूजा

नई दिल्ली। दिल्ली में यमुना घाट समेत किसी भी सार्वजनिक स्थलों पर छठ पूजा का आयोजन नहीं किया जाएगा। उपराज्यपाल की अध्यक्षता वाली दिल्ली आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (डीडीएमए) ने दिल्ली सरकार की ओर से छठ पूजा के आयोजन के लिए भेजे गए प्रस्ताव को खारिज कर दिया है। डीडीएमए ने कहा कि कोविड के मौजूदा हालात को देखते हुए यह फैसला लिया है। दिल्ली सरकार ने दिल्ली में छठ पूजा घाट तैयार करने व आयोजन के लिए एलजी को बीते दिनों प्रस्ताव भेजा था। सरकार ने उसके साथ एसओपी भी भेजी थी। जिसमें कम भीड़, आर्टिफिशियल घाट, सामाजिक दूरी व जागरूकता को लेकर सभी तमाम इंतजाम करने की बात कही थी। मगर एलजी ने कहा कि केंद्र सरकार ने अभी तक स्वीमिंग खोलने को लेकर मंजूरी नहीं दी है। दिल्ली में कोरोना का संक्रमण भी फैल रहा है। ऐसे में सार्वजनिक स्थलों पर इसके आयोजन की मंजूरी नहीं दी जा सकती है। डीडीएमए ने कहा है कि इसका आयोजन सार्वजनिक स्थलों पर नहीं होगी। मगर कोई निजी तौर पर अपने निजि स्थल पर मनाना चाहता है तो कर सकता है। मगर इस दौरान भीड़, सामाजिक दूरी समेत कोविड से बचाव के सभी उपाय होने चाहिए। बताते चले बीते साल दिल्ली सरकार ने दिल्लीभर में यमुना नदी समेत कुल 1108 छोटे बड़े घाट बनवाएं थे। इस बार आर्टिफिशियल घाट के लिए निविदा भी जारी कर दी गई थी। मगर डीडीएमए की मंजूरी के बाद सरकार अब इसके लिए कोई आयोजन नहीं करेगी।

बिहार विधानसभा चुनाव 2020 में पाला बदलने वाले तमाम दिग्गजों को वोटरों ने नकारा

पटना। बिहार विधानसभा चुनाव 2020 में राजद, जदयू और कांग्रेस के करीब दर्जनभर नेताओं ने इस बार नया चुनावी अखाड़ा बदल लिया था। इनमें से कुछेक को छोड़ दें तो अधिकांश के लिए यह प्रयोग नुकसानदेह साबित हुआ। उन्हें हार का सामना करना पड़ा। जिन लोगों का चुनाव क्षेत्र बदलना फायदेमंद रहा उनमें राजद के तेजप्रताप यादव, जदयू के मदन सहनी और कांग्रेस के विजय शंकर दूबे शामिल हैं। राजद के सर्वाधिक आधा दर्जन नेता इस बार अपना चुनाव क्षेत्र बदलकर दूसरी सीटों से चुनाव मैदान में उतरे थे। इनमें पूर्व मंत्री तेजप्रताप यादव महुआ सीट छोड़ हसनपुर से लड़े और जीत दर्ज की। राजद के पूर्व मंत्री अब्दुल बारी सिद्दीकी अलीनगर की जगह केवटी गए मगर उन्हें हार का सामना करना पड़ा। राजद के राष्ट्रीय महासचिव भोला यादव बहादुरपुर की जगह हायाघाट से और जदयू छोड़ राजद का दामन थामने वाले अमरनाथ

गामी हायाघाट की जगह दरभंगा से चुनाव लड़े मगर उन्हें हार का सामना करना पड़ा। पूर्व मंत्री शिवचंद्र राम राजापाकड़ की जगह पातेपुर से लड़े पर जीत नहीं सके। सीट बदलने वाले राजद के यदुवंश कुमार यादव को निर्मली की जनता ने नकार दिया।

एक मंत्री को स्वीकारा, दूसरे को नकारा

2015 में घोसी से जीतने वाले कृष्णनंदन प्रसाद वर्मा ने सीट बदलकर जहानाबाद का रुख किया था लेकिन उन्हें हार नसीब हुई। नए क्षेत्र के मतदाताओं ने उन पर अपना भरोसा नहीं जताया। वहीं सीट बदलकर दरभंगा के गौड़ा बौराम से बहादुरपुर से चुनाव लड़ने वाले सरकार के मंत्री मदन सहनी को नए क्षेत्र की जनता ने हाथों-हाथ लिया और उन्हें जीत की माला पहनाई।

कांग्रेस के दूबे जीते, अशोक हारे

पूर्व मंत्री बिजय शंकर दुबे पिछली बार मांझी से कांग्रेस के टिकट पर चुनाव लड़े थे। इसबार पार्टी ने उन्हें महाराजगंज से उम्मीदवार बनाया और वह चुनाव जीत गये। इसी तरह कांग्रेस विधायक दल के पूर्व नेता डा. अशोक कुमार पिछली बार रोसड़ा से चुनाव जीते थे। इस बार उन्होंने कुशेश्वर स्थान से अपनी किस्मत आजमाई है वह चुनाव हार गये।

दिल्ली में छठे दिन भी जहरीली बनी रही हवा, कुछ इलाकों में 500 तक पहुंचा AQI

नई दिल्ली। लगातार छठे दिन भी दिल्ली की हवाएं जहरीली बनी रही। हवा में सबसे अधिक हानिकारक कण कण और गैसीय प्रदूषक हैं। इससे पहले ऐसा 2016 में हुआ था जब दिल्ली में छह दिनों तक हवा की स्थिति इतनी खराब हो। हालांकि, ऐसे आपातकालीन उपायों का कोई संकेत नहीं था जो ग्रेडेड रिस्पॉन्स एक्शन प्लान (ग्रैप) के तहत काम करते थे। मौसम विभाग ने कहा है कि बुधवार को दिल्ली के लोगों को थोड़ी राहत महसूस हो सकती है लेकिन ये कुछ समय के लिए ही होगा।

सीपीसीबी के आंकड़ों से पता चला है कि मंगलवार को दिल्ली का समग्र एक्यूआई गंभीर श्रेणी में 476 था। सोमवार को शहर का एक्यूआई 477 था। मंगलवार को प्रदूषण का स्तर 487 पर शुरू हुआ। सुबह 9 बजे तक, कम से कम 18 निगरानी स्टेशन, जैसे कि सिरिफोर्ट, आनंद विहार, विवेक विहार, बवाना, मुंडका और अलीपुर में 500 की अधिकतम AQI रिकॉर्डिंग दर्ज की गई। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के आंकड़ों के अनुसार, मंगलवार शाम 7 बजे, पीएम 2.5 का

स्तर 48 घंटे के बाद से (2.5 माइक्रोमीटर से कम व्यास वाला अल्ट्राफाइन पार्टिकुलेट पदार्थ) लगातार 300ug / m3 से ऊपर था और PM10 स्तर के बाद 51 घंटे 10 माइक्रोमीटर से कम व्यास वाले पदार्थ) 500ug / m3 के निशान से ऊपर थे।

PM2.5 के लिए राष्ट्रीय परिवेशी वायु मानक 60ug / m3 और PM10 के लिए 100ug / m3 है। दोपहर 12 बजे तक, डॉ करणी सेना शूटिंग रेंज स्टेशन ने अधिकतम PM2.5 का स्तर 907ug / m3 दर्ज किया। मुंडका में, ये स्तर 1156ug / m3 जितना था। हवा का स्तर इतना खराब होने पर कुछ जरूरी कदम उठाए जाने थे जैसे सड़क निर्माण और दूसरे निर्माण कार्यों पर प्रतिबंध लगाने जैसे काम किए जाने चाहिए थे लेकिन किसी भी एजेंसी द्वारा ऐसा कोई भी कदम नहीं उठाया गया. इस साल फरवरी में सुप्रीम कोर्ट ने आखिरकार प्रतिबंध हटा दिया था। पिछले साल, अब भंग पर्यावरण प्रदूषण (रोकथाम और नियंत्रण) प्राधिकरण ने निर्माण गतिविधियों को प्रतिबंधित कर दिया था और 26 नवंबर से शहर में गर्म मिश्रण संयंत्रों के संचालन को नियंत्रित करने के लिए एक निवारक उपाय के रूप में 5 नवंबर से निर्माण पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने का आह्वान किया था। मौसम विभाग के वैज्ञानिकों ने कहा कि दोपहर 2 बजे के बाद, हवा की गुणवत्ता में मामूली सुधार दिखाई देने लगा। आईएमडी के पर्यावरण निगरानी अनुसंधान केंद्र के प्रमुख वीके सोनी ने कहा कि हवा की दिशा मंगलवार दोपहर को बदल गई, जिसने पड़ोसी राज्यों पंजाब और हरियाणा में दिल्ली की हवा पर जलने वाले मल के उच्च उदाहरणों के प्रभाव को कम कर दिया। आईएमडी के क्षेत्रीय मौसम पूर्वानुमान केंद्र के प्रमुख कुलदीप श्रीवास्तव ने कहा कि यह राहत, कुछ समय के लिए होगी।

हर रोज पैदा हो रहा है लगभग 600 टन तक बायो मेडिकल वेस्ट, बदलनी होगी यूज एज थ्रो की सोच

नई दिल्ली। एकल उपयोग की सामग्रियां बस कुछ मिनट घंटे या दिन के लिए हमारे उपयोग में आती हैं, परंतु नकारात्मक रूप से यह हमारे पर्यावरण को हजारों वर्षो तक प्रभावित कर सकती हैं। हालांकि भारतीय संस्कृति में प्राचीन काल से ही एकल सामग्रियों यानी सिंगल यूज प्रोडक्ट्स के प्रयोग के बनिस्पत बहुपयोगी सामग्रियों पर जोर दिया जाता रहा है, मगर बढ़ते आधुनिकीकरण ने सिंगल यूज प्रोडक्ट्स के उपयोग एवं उपभोग में काफी वृद्धि की है। चाहे वह प्लास्टिक के पानी के बोतल के रूप में हो या खाद्य कंटेनर एवं कप हो या एकल प्रयोग वाले कोरोना सुरक्षा का उपकरण या फिर पेंट के पैकिंग में प्रयोग होने वाला टीन या प्लास्टिक का डब्बा। ये सभी एवं अन्य बहुतेरे सर्वव्यापी आधुनिक उपयोगिता की सामग्रियां क्षणिक प्रयोग के बाद इतनी जल्दी अनुपयुक्त और अपशिष्ट के रूप में परिणत हो जाती हैं कि शायद ही हम इस पर गौर कर पाते हैं। मुंबई स्थित एक पर्यावरण संस्थान के अनुसार हाल में दिल्ली, मुंबई, बेंगलुरु एवं पुणे में लगभग 45 प्रतिशत सिंगल यूज प्लास्टिक के प्रयोग में वृद्धि हुई है और इसमें अन्य एकल उपयोग वाली सामग्रियों को भी जोड़ दिया जाए तो यह 50 प्रतिशत से अधिक हो जाएगा। ये सभी एकल उपयोग की सामग्रियां बहुत सारे पर्यावरणीय मूल्यों को ताक पर रखकर हमारे उपयोग में आती हैं, जो महासागरों, जीव-जंतुओं एवं मानव स्वास्थ्य पर विनाशकारी प्रभाव डालता है। कोरोनाकाल के प्रारंभिक दौर में लॉकडाउन के दौरान प्रकृति ने जहां स्वयं को हील किया, वहीं कुछ ही दिनों बाद एक नई विभीषिका एकल प्रयोग वाले प्लास्टिक एवं अन्य सामग्रियों के रूप में सामने आई है। चाहे वह पर्सनल प्रोटेक्टिव इक्विपमेंट यानी पीपीई कीट के रूप में हो या मास्क या फिर दस्ताने या फिर फेस शिल्ड के रूप में हो। कोरोना के कारण आजकल प्रतिदिन लगभग 600 टन तक बायो मेडिकल वेस्ट पैदा हो रहा है।

भाजपा की भावी रणनीति के लिए अहम हैं बिहार के नतीजे, पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव पर डालेंगे असर

नई दिल्ली। बिहार के उतार चढ़ाव भरे नतीजों के बाद भाजपा ने राहत की सांस ली है। इन चुनावों पर पार्टी की भावी रणनीति टिकी हुई थी, क्योंकि यह चुनाव उसकी गठबंधन राजनीति के साथ अपने विस्तार व विपक्ष के मुकाबले की तैयारी के भी थे। इससे उसकी पश्चिम बंगाल, असम समेत अगले साल होने वाले विभिन्न विधानसभा चुनावों के लिए उसका मनोबल बढ़ेगा, वहीं बिहार से संजीवनी हासिल करने की विपक्ष की कोशिश को रोक दिया है।

भाजपा के लिए इन नतीजों की सबसे अहम निष्कर्ष यह है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को लेकर लोगों की आशाएं और उम्मीदें कम नहीं हुई है। नीतीश कुमार के खिलाफ उभरी नाराजगी के बाद आए इस तरह के नतीजों का तात्कालिक निष्कर्ष यही निकाला जा रहा है। भाजपा ने लोजपा के अलग होने के बाद अपने गठबंधन को बेहतर किया और सामाजिक समीकरण

भाजपा के लिए इन नतीजों की सबसे अहम निष्कर्ष यह है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को लेकर लोगों की आशाएं और उम्मीदें कम नहीं हुई है। नीतीश कुमार के खिलाफ उभरी नाराजगी के बाद आए इस तरह के नतीजों का तात्कालिक निष्कर्ष यही निकाला जा रहा है। भाजपा ने लोजपा के अलग होने के बाद अपने गठबंधन को बेहतर किया और सामाजिक समीकरण साधे। लोजपा अगर विपक्षी खेमे में जाती तो दिक्कत बढ़ती, लेकिन वह अलग रही। इससे राजग को कुछ नुकसान तो हुआ लेकिन विरोधी खेमे का बहुत ज्यादा लाभ नहीं हुआ।

साधे। लोजपा अगर विपक्षी खेमे में जाती तो दिक्कत बढ़ती, लेकिन वह अलग रही। इससे राजग को कुछ नुकसान तो हुआ लेकिन विरोधी खेमे का बहुत ज्यादा लाभ नहीं हुआ। दूसरी तरफ भाजपा ने राजद से नाराज वीआईपी को हाथों हाथ लिया, जिसकी सफलता ने उसकी बढ़त को मजबूत करने में अहम भूमिका निभाई।

छोटे भाई से बड़े भाई तक

भाजपा बिहार में छोटे भाई के रूप में उतरने के बाद बड़ा भाई बनकर उभरी है जिसका लाभ उसे आगे मिलेगा, लेकिन गठबंधन की मजबूती के लिए वह नीतीश को ही मुख्यमंत्री बनाने जा रही है। महाराष्ट्र से सीखा सबक बिहार में उसके काम आया है। भाजपा को आगे बराबरी के गठबंधन वाले मुकाबले के लिए इस चुनाव से कई सबक मिले हैं और वह अपनी रणनीति को बेहतर करने का प्रयास करेगी।

नाराजगी का अंदाजा नहीं लगा सके

चुनाव के पहले भाजपा जद (यू), वीआईपी व हम के साथ काफी आश्वस्त दिख रही थी और उसने लोजपा को भी इसी वजह से ज्यादा तवज्जो नहीं थी। अंदरूनी चर्चा तो यह भी रही कि यह भी भाजपा की एक रणनीति थी। हालांकि चुनाव प्रचार के दौरान नीतीश कुमार को जिस तरह से जनता विरोध का सामना करना पड़ा और तेजस्वी की सभाओं में जो मुखर भीड़ दिखी, उससे चिंता की लकीरें उभर आई थी। एक्जिट पोल अनुमानों ने भी उसकी उम्मीदों को झटका दिया। दरअसल चुनाव से पहले भाजपा यह अंदाजा नहीं लगा सकी कि नातीश कुमार को लेकर जनता में नाराजगी बढ़ी है।

राजग को मिलेगी मजबूती

भाजपा के लिए बिहार इसलिए भी अहम है क्यंकि बिहार विपक्षी एकता के लिए एक बड़ा प्रयोग हो सकता था जिसमें कांग्रेस, कम्युनिस्ट व समाजावदी ताकतें एक साथ थी। अगर इसमें वह मात खाती को उसके लिए आने वाले विधानसभा चुनावों में और 2024 के लिए समस्याएं आ सकती थी। यह इसलिए भी अहम है क्योंकि इसी दौरान राजग कमजोर भी हुआ था और उसके कुछ मजबूत सहयोगी उससे अलग भी हो गए थे।

31 मार्च तक सभी बैंक खातों को आधार से जोड़ा जाएगा, वित्त मंत्री ने बैंकों को दिए निर्देश

नई दिल्ली। 31 मार्च, 2021 तक सभी बैंक खाते को आधार से जोड़ दिया जाएगा। मंगलवार को वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सभी बैंकों को यह निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जिन खातों को पैन से लिंक करने की जरूरत है, उन्हें भी आगामी 31 मार्च तक पैन से जोड़ने का काम पूरा हो जाना चाहिए। इंडियन बैंक एसोसिएशन (आईबीए) के साथ वर्चुअल बैठक में वित्त मंत्री ने कहा कि वित्तीय समावेश की कहानी अभी पूरी नहीं हुई है और बैंकों को उसे और आगे लेकर जाना है। उन्होंने कहा कि अभी बहुत सारे ऐसे खाते हैं जो आधार से लिंक नहीं है। बैठक में मौजूद बैंकों के वरिष्ठ अधिकारियों से सीतारमण ने कहा कि आदर्श रूप से दिसंबर आखिर तक सभी खाते को आधार से लिंक करने का काम पूरा हो जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि बैंकों को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि आगामी 31 मार्च तक बैंकों के सभी खाते आधार से जुड़ जाने चाहिए और जरूरत के मुताबिक खातों को पैन से जोड़ने का काम भी इस अवधि तक पूरा कर लेना चाहिए। वित्त मंत्री ने कहा कि बैंकों को नकदी भुगतान को हतोत्साहित करना चाहिए और उन्हें अपने ग्राहकों को डिजिटल भुगतान के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए। बैंकों को डिजिटल भुगतान तकनीक अपनाना चाहिए और यूपीआई भुगतान से जुड़े सभी तरीकों को प्रयोग में लाना चाहिए। सीतारमण ने कहा कि बैंकों में यूपीआई का प्रचलन इतना बढ़ जाना चाहिए कि यह बोल-

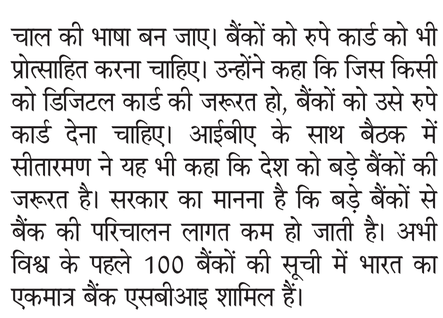

चाल की भाषा बन जाए। बैंकों को रुपे कार्ड को भी प्रोत्साहित करना चाहिए। उन्होंने कहा कि जिस किसी को डिजिटल कार्ड की जरूरत हो, बैंकों को उसे रुपे कार्ड देना चाहिए। आईबीए के साथ बैठक में सीतारमण ने यह भी कहा कि देश को बड़े बैंकों की जरूरत है। सरकार का मानना है कि बड़े बैंकों से बैंक की परिचालन लागत कम हो जाती है। अभी विश्व के पहले 100 बैंकों की सूची में भारत का एकमात्र बैंक एसबीआइ शामिल हैं।

दिसंबर से लोगों को मिलनी शुरू हो सकती है कोरोना वैक्सीन

नई दिल्ली। कोरोना वायरस का खतरा अब भी दुनिया पर बना हुआ है और कई विशेषज्ञों का कहना है कि जब तक इसकी वैक्सीन नहीं आ जाती हैं तब तक ये हमारी जिंदगियों से जाने वाला नहीं है। दुनिया के अलग-अलग देशों में कोरोना वैक्सीन बनाने का काम चल रहा है। इसी कड़ी में अमेरिका की एक कंपनी ने दावा किया है कि उनकी बनाई वैक्सीन कोरोना वायरस पर 90 प्रतिशत प्रभावी और अगर इससे मिले आंकड़ों की पुष्टि हो जाती है तो दिसंबर से अमेरिकी नागरिकों में टीका बांटने की योजना बनाई जा रही है।

स्वास्थ्य सचिव एलेक्स अजार ने कहा है कि Pfizer इंक अपने कोविड -19 वैक्सीन परीक्षण से मिले शुरुआती सकारात्मक आंकड़ों को स्वास्थ्य नियामकों को जल्द से जल्द सौंप सकता है, जिसके बाद अमेरिकी सरकार ने दिसंबर में अमेरिकियों का टीकाकरण शुरू करने की योजना बनाई है। Pfizer ने सोमवार को कहा कि यह वैक्सीन जर्मन पार्टनर क्चद्बशहृञ्जद्गष्द्ध स्श्व के साथ विकसित हो रही है, यह ष्टश्1द्बस्र-19 के खिलाफ 90त्न प्रभावी थी, बड़े चरण के परीक्षण के परिणामों पर प्रारंभिक नज़र के आधार पर ऐसा कहा गया। दवाई बनाने वाली अमेरिकी कंपनी ने कहा कि उसे उम्मीद है कि सुरक्षा डेटा जल्दी ही मिल जाएगा जिसके बाद उसे अमेरिकी खाद्य और औषधि प्रशासन के साथ आपातकालीन उपयोग प्राधिकरण (श्व) के लिए आवेदन करना होगा।

अजार ने संवाददाताओं से एक कॉल पर कहा कि एफडीए प्राधिकरण पर, संयुक्त राज्य अमेरिका को प्रति माह फाइजर वैक्सीन की लगभग 2 करोड़ खुराक प्राप्त होगी. 10 करोड़ खुराकों के लिए अमेरिका का Pfizer के साथ 1.95 बिलियन डॉलर का कॉन्ट्रैक्ट है जो 50 लाख लोगों को टीका लगाने के लिए पर्याप्च होगा। इससे पहले मंगलवार को, अजार ने सीएनबीसी पर कहा कि वैक्सीन को लेकर अंतिम निर्णय वैक्सीन प्रभावकारिता डेटा पर एक करीबी नज़र के अधीन हैं।

सरकार की सिफारिशों के आधार पर, सबसे पहले वैक्सीन नर्सिंग होमों में बुजुर्गों, स्वास्थ्य सेवा श्रमिकों और पहले उत्तरदाताओं के साथ शुरू होगा, जनवरी के अंत तक उन शॉट्स को पूरा करने का लक्ष्य होगा। टॉप अमेरिकी संक्रामक रोग विशेषज्ञ एंथनी फौसी ने एमएसएनबीसी के साथ एक इंटरव्यू में भी कहा कि उन्हें उम्मीद है कि दिसंबर में कुछ उच्च प्राथमिकता वाले समूहों के लिए वैक्सीन की खुराक उपलब्ध होगी। अजार ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि मॉर्डन इंक सहित अन्य कंपनियों से कोविड -19 से बचाव के लिए जल्द ही और टीके उपलब्ध होंगे, जिससे उम्मीद है कि महीने के अंत में इसके प्रायोगिक वैक्सीन के बड़े परीक्षण के अंतरिम परिणाम घोषित किए जाएंगे।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

नया जनादेश

कोरोना संक्रमण के समय देश में हुए पहले चुनावों ने बता दिया है कि राजनीति का जो सिलसिला इस देश में चल रहा था, वह अभी बहुत बदला नहीं है। बिहार जैसे बड़े राज्य के विधानसभा चुनाव और कई राज्यों में हो रहे उपचुनावों को लेकर एक आशंका यह व्यक्त की जा रही थी कि सरकारों को जनता के कोप का भाजन बनना पड़ सकता है। लेकिन ऐसा हुआ नहीं, जाहिर है, ये चुनाव महामारी से सरकार के निपटने की कहानी भी कहते हैं। बेशक इसमें कई तरह की खामियां गिनाई जा सकती हैं, यह भी हो सकता है कि लोग इससे पूरी तरह संतुष्ट न हों, लेकिन लोग इसे लेकर नाराज हैं, कम से कम मतों के रुझान को देखकर तो ऐसा नहीं कहा जा सकता। यह माना जा रहा था कि कोरोना संक्रमण देश में बहुत कुछ बदल देगा, अब यह कहा जा सकता है कि कम से कम इससे भारत की राजनीति तो नहीं ही बदली है। इन सारे नतीजों का कुल जमा निचोड़ यही कहता है कि राष्ट्रीय स्तर पर भारतीय जनता पार्टी के विजय रथ ने मोटे तौर पर अपनी यात्रा जारी रखी है। झारखंड और बिहार जैसे कुछ अपवाद जरूर हैं, जहां स्थानीय समीकरणों ने उसके सामने मुश्किलें खड़ी की हैं, इनमें से बिहार की चर्चा हम बाद में करेंगे। फिलहाल बात करते हैं बाकी राज्यों में हुए उपचुनावों की। इनमें से सबसे महत्वपूर्ण मध्य प्रदेश था, जहां एक तो सबसे ज्यादा सीटों पर उपचुनाव था और दूसरे, यहां भाजपा ने अपनी सरकार दल-बदल से बनाई थी। दरअसल चुनाव दल-बदल के कारण खाली हुई सीटों पर ही हुए थे। लेकिन चुनाव नतीजे बता रहे हैं कि जनता ने इस तरह से सरकार बनाने की भाजपा की कोशिशों पर अपनी मुहर लगा दी है। मध्य प्रदेश में ही नहीं, ये उपचुनाव अन्य ज्यादातर राज्यों में भी कांग्रेस के लिए बुरी खबर की तरह हैं। उत्तर प्रदेश में एक को छोड़कर बाकी सभी सीटों को जीत कर भाजपा ने साफ कर दिया है कि वहां पार्टी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की लोकप्रियता कायम है। यही गुजरात में हुआ है और मणिपुर में भी। झारखंड में सत्ताधारी गठजोड़ ने अपनी बढ़त बरकरार रखकर इस बात पर मोहर लगा दी है कि महामारी के बाद भी इस देश की राजनीति जस की तस बनी हुई है। बिहार का विधानसभा चुनाव सबसे महत्वपूर्ण था, लेकिन हम इसकी चर्चा सबसे बाद में इसलिए कर रहे हैं, क्योंकि इन पंक्तियों को लिखे जाने तक वहां मतगणना का काम जारी है और स्पष्ट रुझान भले ही दिख रहे हों, लेकिन अभी जो स्थिति है, उसमें नतीजे कहीं भी जा सकते हैं। इस बार बिहार में दांव बहुत बड़े हैं। एक तरफ, 15 साल के अनुभव और उसके साथ ही इतनी लंबी एंटीइनकंबेंसी का मुकाबला करने वाली सरकार है, तो दूसरी तरफ, एक युवा नेता जिन्होंने दो दिन पहले ही अपना 31वां जन्मदिन मनाया है। अगर हम राष्ट्रीय जनता दल के तेजस्वी यादव के साथ ही चुनाव में बहुत अच्छा प्रदर्शन न कर पाने वाली लोक जनशक्ति पार्टी के चिराग पासवान को भी जोड़कर देखें, तो इन चुनावों ने बिहार को अगली पीढ़ी के राजनीतिज्ञ दे दिए हैं। ओपिनियन पोल से एक्जिट पोल तक जो अनुमान थे, इस बार बिहार के चुनाव नतीजे सभी को गलत साबित करने में जुट गए हैं। सरकार जिसकी भी बने, एक चीज स्पष्ट है कि इस बार बिहार के मतदाता स्थिर सरकार के साथ ही एक मजबूत विपक्ष भी देने जा रहे हैं।

आज के ट्वीट

बधाई

इन चुनाव परिणामों में भाजपा को NDA को अपार जनसमर्थन मिला है। इसके लिए भाजपा, NDA के लाखों कार्यकर्ता भाइयों-बहनों को जितनी बधाई दूं उतनी कम है। मैं हर कार्यकर्ता और उनके परिवार जनों को हृदय से बधाई देता हूं।

- पीएम

सांस्कृतिक चेतना कुंद होने से उपजी हिंसा

विश्वनाथ सचदेव

कभी हर पांच साल बाद होने वाले चुनाव अब कभी भी हो सकते हैं। अभी बिहार के चुनाव खत्म हुए हैं, और सामने पश्चिम बंगाल के चुनाव आ गये हैं। फिर उड़ीसा में चुनाव होंगे, कर्नाटक में होंगे....। मतलब यह कि देश में हर समय कहीं न कहीं एक माहौल बना रहता है चुनाव का। इस माहौल में नेताओं के 'बोल-बचन' भी शामिल हैं। पता नहीं क्यों हमारे राजनेताओं को यह लगता है कि उन्हें कुछ भी कहने की आज़ादी है। वे यह मान कर चलते हैं कि इस संदर्भ में भी वे विशेषाधिकार-प्राप्त व्यक्ति हैं। बिहार के चुनावों के दौरान एक बड़े सूबे के मुख्यमंत्री को यह कहते हुए तनिक भी संकोच नहीं हुआ कि यदि 'लव जिहाद' जैसी गतिविधि में लगे लोग नहीं संभले तो उनकी 'राम नाम है की यात्रा निकलने ही वाली है।' इसी तरह की भाषा हाल ही में पश्चिम बंगाल के एक वरिष्ठ भाजपा नेता ने अपने विरोधियों को चेतावनी देते हुए दी है कि उन्हें श्मशान घाट पहुंचा दिया जायेगा! यह कैसी भाषा है? और यह कैसे विचार हैं! राजनीति में विरोधी तो होते ही हैं, पर विरोध करने का मतलब दुश्मनी कैसे हो गया? और दुश्मनी भी ऐसी कि मरने-मारने की बातें होने लगें! चुनावों में अपने राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी को नीचा दिखाने के लिए उसकी आलोचना करना, उसकी कमज़ोरियों को सामने लाना, उसकी अपरिपक्वता की बात करना...आदि सब तो समझ में आता है, पर यह समझना मुश्किल है कि हमारे राजनेताओं को यह क्यों लगता है कि विरोध करते हुए भाषा की मर्यादा ही भुला दी जाये? आखिर 'राम नाम सत्य है' करवाने अथवा श्मशान पहुंचाने का मतलब क्या है? यह मरने-मारने की राजनीति हम बंगाल और केरल में देख चुके हैं। हमारी जनतांत्रिक परम्परा पर धब्बा हैं ये घटनाएं। बहुत गहरा धब्बा। और जब बड़े नेताओं को यह सब कहते-करते देखते हैं तो सिर्फ शर्म ही नहीं आती, गुस्सा भी आता है। आखिर हमारे राजनीतिक दल क्यों स्वीकार करते हैं ऐसे नेतृत्व को? क्यों पनपने दिया जाता है ऐसे नेताओं को जो राजनीतिक नफे-नुकसान के लिए कुछ भी करने की बातें करते हैं? यह अपने आप में शर्म और हैरानी की बात है कि जिन दलों के नेताओं ने राम-नाम सत्य है वाली या श्मशान पहुंचाने वाली बात कही है, उनके राष्ट्रीय नेतृत्व ने इसकी तनिक भी आलोचना करने की आवश्यकता नहीं समझी। होना तो यह चाहिए था कि देश के प्रधानमंत्री और सम्बंधित पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अपने सहयोगियों को खुलेआम आगाह करते कि इस तरह की भड़काऊ भाषा का इस्तेमाल नहीं होना चाहिए, पर किसी ने ऐसा कुछ कहा नहीं। उन्हें शायद यह याद रखना भी ज़रूरी नहीं लगा कि ऐसे मुद्दों पर मौन का अर्थ अक्सर स्वीकृति होता है। डर लगता है यह सोचकर कि हमारी राजनीति में इस तरह की प्रवृत्तियों को पनपने दिया जा रहा है। यह हिंसा की राजनीति है और जनतांत्रिक व्यवस्था में इसके लिए कोई स्थान नहीं है, होना भी नहीं चाहिए। केरल में और पश्चिम बंगाल में इस तरह की घटनाओं का होना हमारे लिए एक चेतावनी होनी चाहिए। यह हिंसक प्रवृत्ति इन दो राज्यों में अक्सर दिखने लगी है, पर इसका अर्थ यह नहीं है कि यह इन्हीं राज्यों तक सीमित है। हमने देश के अलग-अलग हिस्सों में अलग-अलग रूप में इस हिंसा को पनपते देखा है। कभी यह प्रवृत्ति गौहत्या के नाम पर पीट-पीट कर मार देने में दिखती है और कभी 'बच्चा चोरों' का आतंक दिखा कर किसी को मार दिया जाता है। यह अनायास नहीं है कि दो साल पहले पगलाई भीड़ ने सोलह अलग-अलग घटनाओं में सोलह व्यक्तियों को इसलिए पीट-पीट कर मार दिया था कि उन पर बच्चा-चोर होने का शक किया जा रहा था। गांधी की दुहाई हम बहुत देते हैं, इस बात को एक उदाहरण के रूप में भी सामने रखते हैं कि गांधी के नेतृत्व में हमने अहिंसा के द्वारा आज़ादी हासिल की थी। पर उसी गांधी की प्रतिमा पर गोली चलाकर, हममें से ही कई यह बताना भी गलत नहीं समझता कि हिंसा हमारी सोच का हिस्सा है। यह प्रवृत्ति अक्सर हिंसा को भड़काने का काम करती है। हमें यह भी याद रखना होगा कि बार-बार भड़क उठने वाली हिंसा की समस्या का मूल जनतांत्रिक मूल्यों के अभाव में निहित है। जब शासन समाज के गलत तत्वों पर काबू नहीं रख पाता या फिर अपनी ही जनता के खिल़ाफ हिंसा का इस्तेमाल करने में संकोच नहीं करता तो एक तरह से यह हिंसा को जीवन में हस्तक्षेप करने का एक निमंत्रण ही होता है। ऐसे में जब राजनीति करने वाले अपनी बात कहने अथवा मनवाने के लिए 'राम नाम सत्य है' जैसी शब्दावली का सहारा लेते हैं तो हिंसा एक खतरनाक प्रवृत्ति बन कर समाज की सोच पर छाने लगती है। जनतांत्रिक व्यवस्था में इस तरह की भाषा और प्रवृत्ति के लिए कोई स्थान नहीं है, कोई स्थान नहीं होना चाहिए। यह दुर्भाग्य की ही बात है कि हमारा नेतृत्व इस बात की गम्भीरता को समझने की आवश्यकता महसूस नहीं कर रहा। ऐसा न होता तो राष्ट्रीय नेतृत्व के किसी हिस्से से तो यह आवाज़ उठती कि अर्थी या मरघट वाली भाषा हमारे भीतर की हिंसक-प्रवृत्ति को ही उजागर करती है। कोई तो ऐसी भाषा बोलने वालों को उनके अपराध का ज्ञान कराता। हां, अपराध है समाज में हिंसक-प्रवृत्ति को पनपने का अवसर देना। हमारी राजनीति का आधार गोली नहीं, वोट है। इसलिए ऐसी हर कोशिश को नाकामयाब बनाना उस हर नागरिक का कर्तव्य है जो जनतांत्रिक मूल्यों में विश्वास करता है। हमारी जनतांत्रिक व्यवस्था में किसी भी प्रकार की हिंसा को स्वीकार नहीं किया जा सकता। धर्म, जाति, वर्ग, वर्ण के नाम पर की गयी हिंसा, हमारे समय के शीर्ष साहित्यकार अज्ञेय के शब्दों में, 'संस्कृति की चेतना के मुरझाने का परिणाम' है।

आज इस चेतना को फिर से खिलने का अवसर देने की आवश्यकता है। सवाल उठता है यह काम हो कैसे? और इस सवाल का सीधा-सा जवाब है, देश और समाज का नेतृत्व करने का दावा करने वालों को यह बात समझायी जाये कि हिंसा के सहारे अपने विरोधी को हराना अजनतांत्रिक ही नहीं, अमानुषिक भी है। और नेताओं को समझाने का यह काम किसी विशिष्ट व्यक्ति या व्यवस्था को नहीं, सजग और विवेकशील नागरिक को करना है। ऐसे नेतृत्व को नकार कर ही एक स्वस्थ-जनतांत्रिक सोच को पनपने का अवसर दिया जा सकता है। काश, किसी को श्मशान घाट पहुंचाने या राम-नाम सत्य करने की बात कहने वाली सभा में असहमति का एक हाथ तो उठता! यह हाथ आपका भी हो सकता है, मेरा भी। लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

ज्ञान गंगा

मन के हारे हार...

सद्गुरु/ ब्रह्माबिंदु उपनिषद में एक श्लोक है-मन एव मनुष्याणां कारणं बन्धमोक्षयो- बंधाय विषयासक्तं मुक्त्यै निर्विषयं स्मृतम। इसका अर्थ है, मन ही मनुष्य के बंधन तथा मोक्ष का कारण है। विषयासक्त मन बंधन का तथा निर्विषय मन मुक्ति का कारण बनता है। मनोवैज्ञानिक कहते हैं कि मन अनन्त है अर्थात मन की शक्तियां अनन्त हैं। चेतन, अवचेतन और अचेतन -तीन स्तरों पर मन कार्य करता है। संकल्प-विकल्प, चिन्तन-मनन सब कुछ मन से संभव होता है। अनन्त शक्ति सम्पन्न मन को गीता में बहुत चंचल कहा गया है, जिसे बांध कर रखना वैसे ही कठिन है जैसे वायु को बांधना। पर यह असंभव नहीं। हम मन के गुलाम न बनें, यह हमारे हाथ में है। मन हमारा अनुचर बनकर चले हमारे साथ यही अभीष्ट है। अभ्यास से मन को साधा जा सकता है। मन की एकाग्रता यदि सम्भव कर सकें तो उसकी सम्पूर्ण शक्तियां एक ही स्थान पर लगेंगी, तब मनचाहा लक्ष्य प्राप्त किया जा सकेगा। पर यह हो क्यों नहीं पाता? मनोवैज्ञानिकों का तो कहना है कि हम मन की अनन्त सामर्थ्य का सौवां अंश भी प्रयोग नहीं कर पाते हैं। ऋग्वेद में दुःस्वप्ननाशनम (ऋग्वेद 10,164) एक सूक्त है, जहां मन की विशेषताओं का वर्णन किया गया है। साथ ही दृढ़ संकल्प तथा आत्मविश्वास से मन को उसकी नकारात्मकता से मुक्त करने की बात भी कही गई है। मन ही पाप-पुण्य, शुभ-अशुभ, सुख-दुख दोनों के लिए उत्तरदायी है। यह व्यक्ति के ऊपर निर्भर है कि वह दोनों में से कौन सा मार्ग अपने लिए चुनता है। बहुत बार हम प्रत्यक्ष में भला दिखने का प्रयत्न करते हैं, पर हमारे अवचेतन में दबा दुर्भाव पग-पग पर प्रकट होकर कुछ और ही अभिव्यक्त कर देता है। घृणा, द्वेष, क्रोध, ईर्ष्या आदि के नकारात्मक भाव अवचेतन में संग्रहित होते-होते इस कदर बढ़ जाते हैं कि वे वाणी और कार्य व्यवहार द्वारा हमारे अनजाने में ही प्रकट हो जाते हैं। तब हमारे व्यक्तिगत, पारिवारिक तथा सामाजिक संबंध भी विघटित होने लगते हैं। वैदिक ऋषि ऐसे कुविचारों, दुर्भावनाओं से मुक्ति पाने का प्रयत्न करते थे। बहुधा जीवतो मन- अर्थात जीवित मनुष्य का मन बहुत प्रकार का है। तथा बहुत्ता जीवतो मन--जीवित का मन बहुत स्थानों पर प्रवृत्त होता है। ऐसे शक्तिशाली मन को बुरे संकल्पों से बचाने के लिए बहुत अधिक आत्मविश्वास चाहिए।

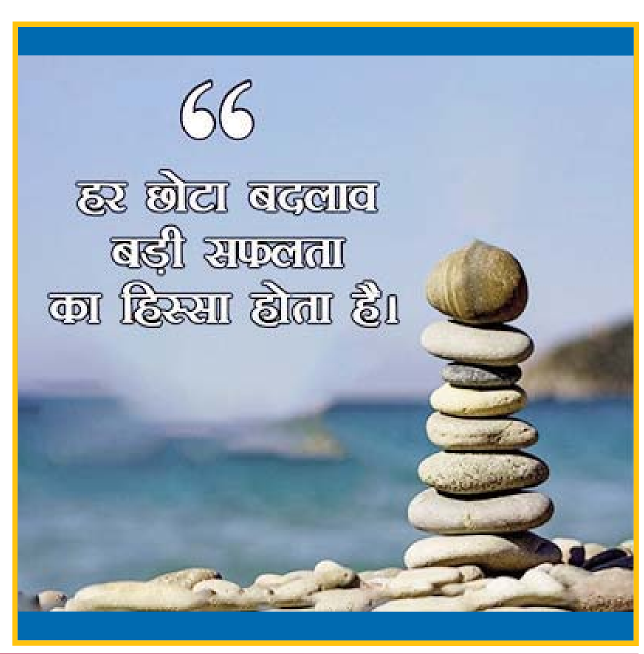

आज का राशिफल

मेष दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

वृषभ जीवनसाथी के स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलने की संभावना है। व्यावसायिक तथा आर्थिक योजनाएं सफल होंगी। धन लाभ की संभावना है। प्रियजन भेंट संभव।

मिथुन पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। किसी मित्र या रिश्तेदार से मिलाप होगा। नेत्र विकार की संभावना है। अपनों से तनाव मिलेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे।

कर्क जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। खान पान में संयम रखें। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी।

सिंह जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। आर्थिक तंगी का सामना करना पड़ेगा। वाणी की सौम्यता आपके लिए लाभदायी होगी।

कन्या पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। नेत्र विकार की संभावना है। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा।

तुला बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। व्यावसायिक दिशा में किए गए प्रयास फलीभूत होंगे। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। नए अनुबंध प्राप्त होंगे।

वृश्चिक पारिवारिक जनों के साथ सुखद समय गुजरेगा। पिता या उच्चाधिकारी के कृपापात्र बनेंगे। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। विरोधियों का पराभव होगा। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। ससुराल पक्ष से लाभ होगा।

धनु व्यावसायिक योजनाओं को बल मिलेगा। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे।

मकर पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। भाई या पड़ोसी से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं। प्रतियोगी परीक्षाओं में आशातीत सफलता मिलेगी। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

कुम्भ जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। रोजी रोजगार की दिशा में प्रगति होगी। विरोधी परास्त होंगे। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

मीन आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। वाणी की सौम्यता को बनाये रखना ही हितकर होगा। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे।

राज्यों से बढ़ रही तकरार के सवाल

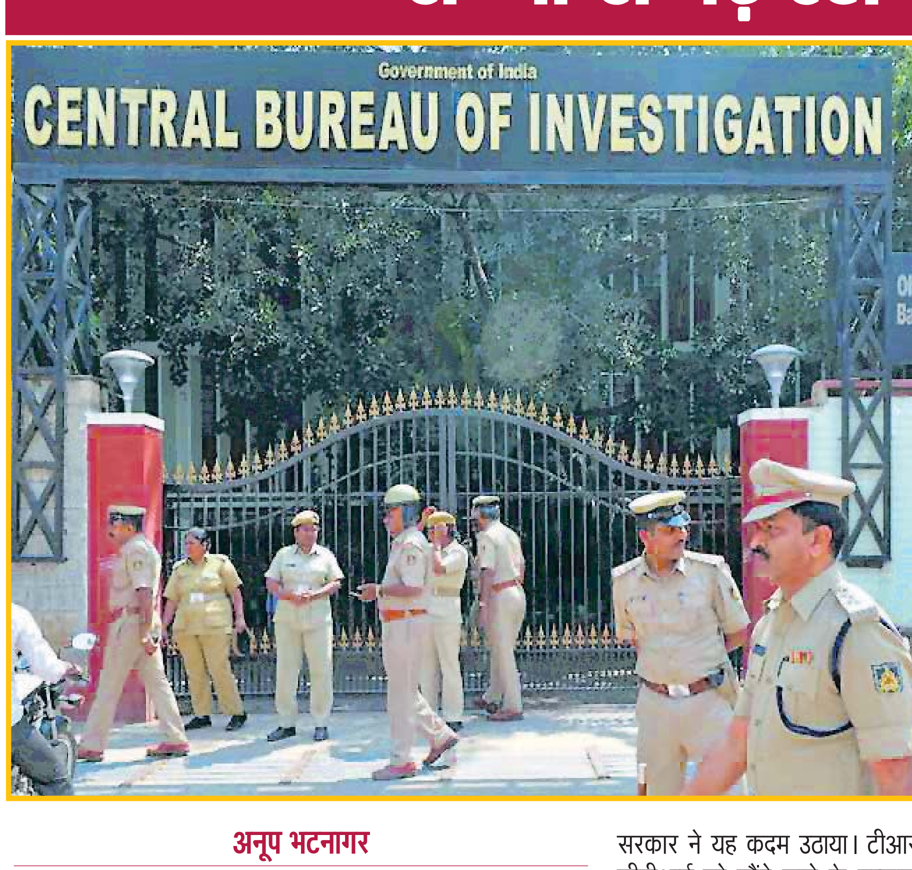

अनूप भटनागर

गैर भाजपा शासित राज्यों द्वारा एक-एक करके अपने यहां केन्द्रीय जांच ब्यूरो को निर्बाध तरीके से काम करने के लिये दी गयी सहमति वापस लेने के फैसले से सवाल उठ रहा है कि क्या वास्तव में इस केन्द्रीय जांच एजेन्सी का इस्तेमाल राज्यों की निर्वाचित सरकारों को अस्थिर करने के लिए किया जा रहा है, जैसा कि विपक्षी दल आरोप लगा रहे हैं या फिर राज्यों में सत्तारूढ़ दल नहीं चाहते कि भ्रष्टाचार के मामलों की जांच सीबीआई करे?राजनीतिक दृष्टि से संवेदनशील भ्रष्टाचार के मामलों की जांच को लेकर अक्सर सीबीआई पर पक्षपात करने या फिर ढुलमुल रवैया अपनाने या फिर राजनीतिक आकाओं के इशारे पर काम करने के आरोप लगते रहे हैं। उच्चतम न्यायालय ने पहले तो सीबीआई को 'पिंजरे में बंद तोता' बताया था लेकिन बाद में उसे राजनीतिक आकाओं के बंधनों से मुक्त कराने के लिये समय-समय पर महत्वपूर्ण फैसले भी दिये लेकिन इसके बावजूद स्थिति में बहुत ज्यादा बदलाव नहीं हुआ। ऐसा लगता है कि केन्द्र और गैर भाजपा शासित राज्यों में सत्तारूढ़ दलों के बीच कई मुद्दों को लेकर तेजी से अविश्वास या कहें टकराव की स्थिति पैदा होती जा रही है। पिछले दो साल में पश्चिम बंगाल, छत्तीसगढ़ और राजस्थान के बाद महाराष्ट्र सरकार ने पालघर और सुशांत सिंह राजपूत की मौत के प्रकरण में सीबीआई जांच के बीच में ही अचानक महाराष्ट्र सरकार ने यह कदम उठाया। टीआरपी प्रकरण को लेकर दर्ज मामला सीबीआई को सौंपे जाने के तत्काल बाद सीबीआई के लिये दी गयी सामान्य सहमति वापस ले ली। अब केरल में पिनाराई विजयन सरकार ने भी चार नवंबर को इसी तरह का कदम उठाते हुए सीबीआई के लिये सामान्य सहमति वापस ले ली। हालांकि केरल सरकार की अधिसूचना में स्पष्ट किया गया है कि सहमति वापस लिया जाना सिर्फ भावी मामलों के संबंध में है। मतलब इससे वे मामले प्रभावित नहीं होंगे, जिनमें पहले से ही जांच चल रही है या जो सीबीआई के पास लंबित हैं। मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन ने पहले ही आरोप लगा दिया था कि राज्य में संवैधानिक तरीके से निर्वाचित सरकार को अस्थिर करने और उसे बदनाम करने के लिये सोने की तस्करी के मामले की जांच में सीबीआई अपनी सीमा लांघ रही है। सारदा चिट फंड घोटाले की सीबीआई जांच के दौरान कोलकाता के तत्कालीन पुलिस आयुक्त राजीव कुमार से पूछताछ के मुद्दे पर ममता बनर्जी सरकार के साथ भी केन्द्र की ठन गयी थी। राज्य सरकार ने सितंबर 2018 में ही स्पष्ट कर दिया था कि अब सीबीआई को पहले अनुमति लेनी होगी। इसी आदेश का नतीजा था कि पिछले साल तीन फरवरी को कोलकाता में जाच ब्यूरो के पांच अधिकारियों को पश्चिम बंगाल की पुलिस द्वारा हिरासत में ले लिया। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने उस समय केन्द्र पर आरोप लगाया था कि वह सीबीआई के माध्यम से राज्य में तानाशाही कायम करना चाहती है। पश्चिम बंगाल का बाद में राजस्थान और छत्तीसगढ़ ने भी अनुसरण किया था। राजस्थान की सरकार गिराने के बारे में कथित सौदेबाजी का एक वीडियो सामने आने के बाद मुख्यमंत्री ने अपने यहां बगैर अनुमति के सीबीआई का प्रवेश वर्जित कर दिया। दिल्ली विशेष पुलिस स्थापना कानून के अंतर्गत केन्द्रीय जांच ब्यूरो का गठन हुआ है। इस कानून की धारा 6 के अनुसार सीबीआई के सदस्य संबंधित राज्य की सहमति के बगैर उस राज्य के किसी भी क्षेत्र में इस कानून के तहत अपने अधिकार और अधिकार क्षेत्र इस्तेमाल नहीं कर सकते। गैर भाजपा शासित राज्यों के इस फैसले से हालांकि उन मामलों पर असर नहीं पड़ेगा, जिनकी अभी सीबीआई जांच कर रही है लेकिन भ्रष्टाचार और आतंकवाद तथा संगठित अपराधों के किसी भी नये मामले की सीबीआई जांच करना आसान नहीं होगा। हां, उच्चतम न्यायालय और उच्च न्यायालय के आदेश से सीबीआई किसी मामले विशेष की जांच कर सकती है। गैर भाजपा शासित राज्यों और केन्द्र के बीच सीबीआई को लेकर बढ़ रही तकरार से अंतर्राज्यीय स्तर के भ्रष्टाचार, धन शोधन, आतंकवाद और गैरकानूनी गतिविधियों से संबंधित अपराध सीबीआई को सौंपे जाने वाले नये मामलों की जांच करने में कई तरह की परेशानियां आ सकती हैं। राज्य सरकारों ने अगर सीबीआई को सहज अनुमति नहीं दी तो उसे न्यायिक आदेश प्राप्त करने के लिये उच्चतम न्यायालय की शरण में ही जाना होगा। विपक्ष लगातार यह आरोप लगा रहा है कि राज्यों में गैर भाजपा सरकारों को अस्थिर करने या फिर चुनाव की प्रक्रिया शुरू होने के आसपास सीबीआई और प्रवर्तन निदेशालय का दुरुपयोग किया जा रहा है। केन्द्र को इस दिशा में ठोस कदम उठाने होंगे।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

आयकर विभाग ने 39 लाख से अधिक टैक्सपेयर्स को 1.32 लाख करोड़ रुपए रिफंड किए

बिजनेस डेस्कः आयकर विभाग ने चालू वित्त वर्ष में अबतक 39 लाख से अधिक करदाताओं को 1.32 लाख करोड़ रुपए से अधिक रिफंड किए हैं। इसके तहत व्यक्तिगत आयकर मद में 35,123 करोड़ रुपए और कंपनी कर मामले में 97,677 करोड़ रुपए वापस किए गए। आयकर विभाग ने ट्विटर पर लिखा है, ''केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) ने एक अप्रैल, 2020 से 10 नवंबर, 2020 के दौरान 39.75 लाख करदाताओं को कर रिफंड के रूप में 1,32,800 करोड़ रुपए वापस किए। इसमें 37,81,599 करदाताओं को व्यक्तिगत आयकर मद में 35,123 करोड़ रुपए तथा कंपनी कर के 1,93,813 मामलों में 97,677 करोड़ रुपए वापस किए गए।''

एनएमडीसी बोर्ड ने 1,378 करोड़ रुपये की पुनर्खरीद योजना को मंजूरी दी

नयी दिल्ली, सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी एनएमडीसी ने बुधवार को कहा कि उसके बोर्ड ने 1,378 करोड़ रुपये तक के शेयर वापस खरीदने के प्रस्ताव को मंजूरी दी है। कंपनी ने शेयर बाजार को बताया कि यह फैसला मंगलवार को हुई बोर्ड बैठक में लिया गया था। एनएमडीसी ने कहा, ''बोर्ड ने कंपनी के शेयरधारकों से एक रुपये अंकित मूल्य के 13,12,43,809 पूरी तरह चुकता इक्विटी शेयरों को 105 रुपये प्रति शेयर के भाव पर खरीदने की मंजूरी दी।'' कंपनी ने बताया कि पुनर्खरीद की कुल राशि 1,378 करोड़ रुपये की होगी, जो पूरी तरह चुकता इक्विटी शेयर पूंजी का पांच प्रतिशत होगा।

चीन में वाहन बिक्री अक्टूबर में 12.5 प्रतिशत बढ़ी

बीजिंग, चीन में ट्रक एवं बस समेत वाहन की बिक्री अक्टूबर में सालाना आधार पर 12.5 प्रतिशत बढ़ी। यह कोरोना वायरस संकट के बाद वाहन उद्योग में सुधार का संकेत है। चीन के वाहन उद्योग के संगठन चाइना एसोसिएशन ऑफ ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स (सीएएएम) ने इस संबंध में बुधवार को एक रपट जारी की। रपट के मुताबिक साल के शुरुआती दस महीने में हालांकि वाहन बिक्री पिछले साल की समान अवधि के मुकाबले नीचे ही बनी हुई है। रपट में कहा गया है कि दुनिया के सबसे बड़े वाहन बाजार में वाहनों की बिक्री बढ़कर 26 लाख रही। इसमें एसयूवी और अन्य यात्री वाहनों की बिक्री तेजी से बढ़ी है। लेकिन इस बारे में विस्तृत जानकारी नहीं दी गयी। अक्टूबर की बिक्री सितंबर से 17.4 प्रतिशत कम है।

अनुबंध पर नौकरी अवसरों के लिए बेंगलुरू, हैदराबाद शीर्ष पर : सर्वेक्षण

मुंबई, कोविड-19 संकट ने कंपनियों और संगठनों को अपने रोजगार प्रदान करने के ढांचे में बदलाव लाने के लिए मजबूर किया है। इसके चलते अनुबंध पर रोजगार देने में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गयी है और एक हालिया सर्वेक्षण के मुताबिक इस तरह के रोजगार अवसरों के लिए बेंगलुरू एवं हैदराबाद शीर्ष पर हैं। अनुबंध पर रोजगार के मार्केटप्लेस टेकफाइंडर के सर्वेक्षण के मुताबिक बेंगलुरू और हैदराबाद ने खुद का भारत की सिलिकॉन वैली के तौर पर अपना ताज बरकरार रखा है। उसके मंच पर इन दोनों शहरों ने सबसे ज्यादा अनुबंध पर नौकरी देने की पेशकश की है। सर्वेक्षण में कहा गया है कि 29 प्रतिशत अनुबंध पर नौकरियों की पेशकश बेंगलुरू और दावणगेरे से आयीं। इस तरह कर्नाटक इस श्रेणी में शीर्ष पर रहा। वहीं हैदराबाद और वारंगल ने अनुबंध पर नौकरी की कुल पेशकश में 24 प्रतिशत की पेशकश की और इस तरह तेलंगाना इस सूची में दूसरे स्थान पर है। जबकि मुंबई, पुणे और नागपुर की पेशकश के आधार पर महाराष्ट्र तीसरे, चेन्नई और कोयंबटूर के आधार पर तमिलनाडु चौथे और दिल्ली पांचवे स्थान पर रहा। इन राज्यों ने उसके मंच पर क्रमशः 18, 15 और 14 प्रतिशत की हिस्सेदारी रखते हुए अनुबंध पर नौकरी की पेशकश की।

दो करोड़ निर्माण श्रमिकों को महामारी के दौरान दी गई कुल 5,000 करोड़ रुपए की राहतः गंगवार

बिजनेस डेस्कः

श्रम मंत्री संतोष गंगवार ने बुधवार को कहा कि कोरोना वायरस महामारी से सबसे ज्यादा प्रभावित करीब दो करोड़ निर्माण श्रमिकों के बैंक खाते में कुल 5,000 करोड़ रुपए जमा कराए गए। वह श्रम मंत्रालय के मुख्य श्रम आयुक्त (केंद्रीय) कार्यालय (सीएलसी), कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) और कर्मचारी राज्य बीमा निगम (ईएसआईसी) के कोरोना योद्धाओं को सम्मानित करने के एक कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। महामारी के दौरान कर्मचारियों और श्रमिकों की दिक्कतें दूर करने में इन निकायों के कर्मचारियों द्वारा किए गए प्रयासों की सराहना के लिए इस कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। गंगवार ने कहा, ÷श्रमिकों और उद्योग की बेहतरी के लिए श्रम मंत्रालय ने ऐतिहासिक कदम उठाए हैं। करीब दो करोड़ निर्माण श्रमिकों के बैंक खातों में 5,000 करोड़ रुपए जमा कराए गए।''

महामारी के दौरान आई 16,000 से अधिक शिकायतें

श्रम मंत्री ने कहा कि सीएलसी (केंद्रीय) ने श्रमिकों के खाते में आसान तरीके से पैसे जमा कराने के लिए 80 अधिकारियों को लगाया था। वहीं ईएसआईसी और ईपीएफओ के नोडल अधिकारियों और क्षेत्रीय कार्यालयों ने कर्मचारियों की मुश्किलों के निवारण के लिए रात-दिन काम किया। गंगवार ने कहा कि सीएलसी (केंद्रीय), ईपीएफओ और ईएसआईसी के 20 नियंत्रण कक्षों में महामारी के दौरान 16,000 से अधिक शिकायतें आई। इनमें से 96 प्रतिशत का निवारण समयसीमा के भीतर किया गया। उन्होंने बताया कि ईपीएफओ कार्यालयों ने इस दौरान कोविड19-अग्रिम दावे के 47.58 लाख मामलों का निस्तारण 12,220.26 करोड़ रुपए का भुगतान किया।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया 18 पैसे टूटा

मुंबई,

विदेशी बाजारों में अमेरिकी मुद्रा की मजबूती और कच्चे तेल के महंगा होने के चलते अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया बुधवार को 18 पैसे गिरकर 74.36 के स्तर पर बंद हुआ। हालांकि, कारोबारियों के मुताबिक घरेलू इक्विटी बाजार में सकारात्मक रुख और कमजोर डॉलर ने स्थानीय मुद्रा को समर्थन दिया, जिसके चलते गिरावट को थामने में मदद मिली। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा बाजार में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया 74.24 पर खुला, और फिर दिन के ऊपरी स्तर 74.18 और निचले स्तर 74.50 के बीच झूलते हुए अंत में 74.36 पर बंद हुआ। इस तरह रुपया पिछले बंद भाव के मुकाबले 18 पैसे की गिरावट के साथ बंद हुआ। पिछले सत्र में रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले तीन पैसे गिरकर 74.18 पर बंद हुआ था। कारोबारियों ने कहा कि कच्चे तेल की कीमत बढ़ने से घरेलू मुद्रा पर दबाव देखने को मिला। इसबीच वैश्विक तेल बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड वायदा 3.26 प्रतिशत बढ़कर 45.03 डॉलर प्रति बैरल पर था।

कोल इंडिया का संचयी शुद्ध लाभ दूसरी तिमाही में 16 प्रतिशत घटा

कोलकाता, सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी कोल इंडिया लिमिटेड ने बुधवार को बताया कि चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही के दौरान उसका समेकित शुद्ध लाभ 16 प्रतिशत घटकर 2,951 करोड़ रुपये रहा। कंपनी ने पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में 3,523 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ दर्ज किया था। कोल इंडिया ने शेयर बाजार को बताया कि समीक्षाधीन अवधि में उसकी बिक्री आय 19,484 करोड़ रुपये रही, जो पिछले साल की समान अवधि में 18,986 करोड़ रुपये थी। कंपनी ने बताया कि 30 सितंबर 2020 को समाप्त तिमाही के दौरान उसका संविदात्मक व्यय 1,000 करोड़ रुपये से बढ़कर 3,311 करोड़ रुपये हो गया। कंपनी ने यह भी कहा कि उसके निदेशक मंडल ने वित्त वर्ष 2020-21 के लिए 7.50 रुपये प्रति शेयर की दर से अंतरिम लाभांश की मंजूरी दी है।

सेंसेक्स 316 अंक उछलकर नई ऊंचाई पर, निफ्टी 12,700 अंक के ऊपर निकला

मुंबई,

शेयर बाजारों में बुधवार को लगातार आठवें कारोबारी सत्र में तेजी रही और बीएसई सेंसेक्स 316.02 अंक की बढ़त के साथ रिकार्ड ऊंचाई पर बंद हुआ। मुख्य रूप से वैश्विक बाजारों में सकारात्मक रुख और मजबूत पूंजी प्रवाह से बाजार में तेजी आयी। तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स कारोबार के दौरान एक समय 43,708.47 अंक के सर्वकालिक उच्च स्तर तक चला गया था। अंत में यह 316.02 अंक यानी 0.73 प्रतिशत की तेजी के साथ 43,593.67 अंक पर बंद हुआ जो बंद की ऊंचाई का इसका नया रिकार्ड है। इसी प्रकार, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी कारोबार के दौरान 12,769.75 अंक तक चला गया था। अंत में यह 118.05 अंक यानी 0.93 प्रतिशत की बढ़त के साथ 12,749.15 अंक के उच्चतम स्तर पर बंद हुआ।

सेंसेक्स के शेयरों में सर्वाधिक लाभ में टाटा स्टील रही। इसमें करीब 8 प्रतिशत की तेजी आयी। इसके अलावा एक्सिस बैंक, बजाज फिनसर्व, आईटीसी, इन्फोसिस, सन फार्मा, कोटक बैंक, ओनजीसी और अल्ट्राटेक सीमेंट में भी अच्छी बढ़त दर्ज की गयी। दूसरी तरफ इंडसइंड बैंक, रिलायंस इंडस्ट्रीज, टाइटन, एशियन पेंट्स और एचडीएफसी बैंक नुकसान में रहे। रिलायंस सिक्योरिटीज के संस्थागत कारोबार प्रमुख यश महाजन ने कहा कि घरेलू बाजारों में उत्साह बना हुआ है और लगातार आठवें कारोबारी सत्र में तेजी रही। इसका प्रमुख कारण बीओ एनटेक और फाइजर के संयुक्त रूप से विकसित कोरोना वायरस टीके को लेकर चीजें स्पष्ट होने से निवेशक उत्साहित हैं। इसके अलावा दूसरी तिमाही में कंपनियों के बेहतर परिणाम से भी धारणा पर अच्छा प्रभाव पड़ा है। उन्होंने कहा, ''बाजार में बुधवार को कुछ समय के लिये उतार-चढ़ावा देखा गया। इसका कारण कुछ प्रमुख कंपनियों के शेयरों में मुनाफावसूली थी। लेकिन औषधि, धातु, आईटी और वाहन कंपनियों के शेयरों में तेजी से बाजार मजबूत हुआ। महाजन ने कहा कि इसके अलावा बिहार विधानसभा चुनाव में राजग (राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन) की जीत का भी बाजार पर अच्छा प्रभाव पड़ा। एशिया के अन्य बाजारों में शंघाई और हांगकांग नुकसान में जबकि सोल और टोक्यो लाभ में रहे। शुरूआती कारोबार में यूरोप के प्रमुख बाजारों में तेजी रही। इस बीच, अंतरराष्ट्रीय तेल मानक ब्रेंट क्रूड का भाव 3.12 प्रतिशत की बढ़त के साथ 44.98 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा था।

एमजी मोटर वाहन उद्योग के लिए इलेक्ट्रिक वाहन, आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस में तैयार करेगी कुशल श्रमिक

मुंबई, एमजी मोटर ने वाहन उद्योग के लिए कुशल श्रमिकों को तैयार करने के लिए 'दक्षता' कार्यक्रम शुरू करेगी। इसके तहत श्रमिकों को कृत्रिम मेधा (आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस-एआई) और इलेक्ट्रिक वाहन में विशेष प्रशिक्षण दिया जाएगा। एमजी मोटर इंडिया ने बुधवार को एक बयान में कहा कि इस कार्यक्रम के लिए उसने वाहन क्षेत्र कौशल विकास परिषद (एएसडीसी) और ऑटोबॉट इंडिया के साथ साझेदारी की है। यह इंजीनियरिंग छात्रों के लिए ऑनलाइन और ऑफलाइन कौशल विकास पाठ्यक्रम होगा। कंपनी ने कहा कि यह उसके 'केस' (संपर्क नेटवर्क से जुड़े, स्वायत्त, साझा करने वाले और इलेक्ट्रिक) परिवहन के दृष्टिकोण के अनुरूप है। देश में ये कारक कंपनी के उत्पाद पोर्टफोलियो का अहम हिस्सा हैं। साथ ही यह अत्याधुनिक कार प्रौद्योगिकी का स्थानीयकरण करने की दिशा में एक कदम है। एमजी मोटर के कॉरपोरेट मामलों के मुख्य यश यादव ने कहा कि दक्षता कार्यक्रम युवा छात्रों को भविष्य की प्रौद्योगिकी से जुड़ा कौशल विकसित करने और आत्मनिर्भर बनने में मदद करेगा।

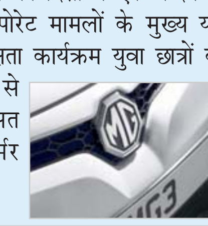

नए साल से बदल जाएगा GST से जुड़ा ये नियम, टैक्स चोरी पर लगेगी लगाम

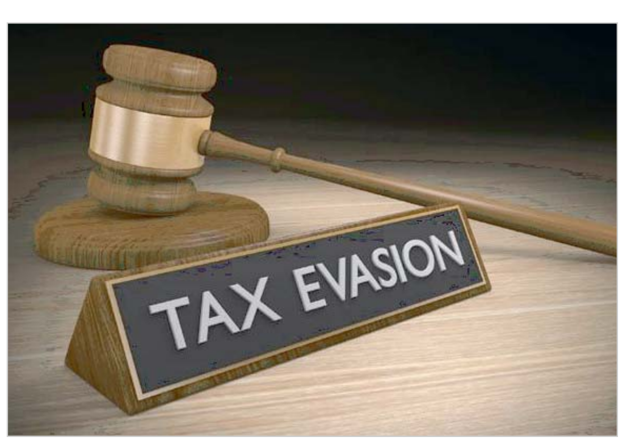

बिजनेस डेस्कः

एक जनवरी 2021 से वस्तु एवं सेवा कर (GST) से जुड़े अहम नियम में बदलाव होने जा रहा है। केंद्र सरकार नए साल से ई-इनवॉइस प्रणाली में बदलाव करने जा रही है। इसके लिए एक नोटिफिकेशन जारी किया गया है। क्नोटिफिकेशन के मुताबिक, 1 जनवरी, 2021 से 100 करोड़ रुपए से ज्यादा सालाना टर्नओवर वाले कारोबारियों और कंपनियों के लिए बिजनेस-टू-बिजनेस लेनदेन (B2B Transactions) पर ई-इनवॉइस अनिवार्य कर दिया गया है। साथ ही 1 अप्रैल, 2021 से सभी टैक्सपेयर्स के लिए बिजनेस-टू-बिजनेस लेनदेन पर ई-इनवॉइस जरूरी होगा। अभी 500 करोड़ रुपए सालाना टर्नओवर वाली कंपनियों के लिए ई-इनवॉइस अनिवार्य है। ई-इनवॉइस को ई-बिल भी कहते हैं। आपको बता दें कि जीएसटी कानून के तहत बिजनेस-टू-बिजनेस ट्रांजेक्शन के लिए 1 अक्तूबर, 2020 से 500 करोड़ से अधिक टर्नओवर वाली कंपनियों के लिए ई-इनवॉइस अनिवार्य किया गया है। नए साल से 100 करोड़ सालाना टर्नओवर वाली कंपनियों के लिए भी ई-इनवॉइस अनिवार्य होने में अब 50 दिन से भी कम समय बचे हैं। ऐसे में इन कंपनियों को नए रेग्युलेशन के हिसाब से अपने बिलिंग सॉफ्टवेयर को अपग्रेड करना होगा।

हर ट्रांजैक्शन के लिए IRN जेनरेट होगा

नई प्रणाली के तहत 100 करोड़ सालाना टर्नओवर या इससे बड़ी कंपनियों हर बिक्री के लिए एक यूनिक इनवॉयस रेफरेंस पोर्टल पर जाकर ई-इनवॉइस निकालना होगा। इसमें एक इनवॉयर रेफरेंस नंबर (IRN) जेनरेट होगा। नए साल से ऐसा नहीं करने वाला कंपनियां बिजनेस-टू-बिजनेस ट्रांजैक्शन नहीं कर पाएंगी। सरकार के इस कदम से जीएसटी के नियमों के पालन ठीक से हो सकेगा और सरकार की जीएसटी से होने वाली आमदनी बढ़ेगी।

ई-इनवॉइस से ये फायदे होंगे

केंद्र सरकार का मानना है कि इस व्यवस्था के अमल में आने से टैक्स चोरी की गुंजाइश काफी कम हो जाएगी। ई-इनवॉइस जनरेट करने का तरीका ठीक उसी तरह का है जिस तरह ई-वे बिल निकाला जाता है। सरकार का कहना है कि ई-इनवॉइस व्यवस्था से कंपनियों के लिए रिटर्न भरने के बोझ में काफी कमी आएगी, क्योंकि रिटर्न फॉर्म में इनवॉइस से संबंधित डेटा अपने-आप दिखाई देगा। इसका ऑटोमैटिक मिलान संभव होगा। इससे कारोबारियों और जीएसटी अधिकारियों दोनों को सहूलियत होगी।

आयकर विभाग ने 39.75 लाख करदाताओं को 1.32 लाख करोड़ रुपये वापस किये

नयी दिल्ली, आयकर विभाग ने चालू वित्त वर्ष में अबतक 39 लाख से अधिक करदाताओं को 1.32 लाख करोड़ रुपये से अधिक रिफंड किये हैं। इसके तहत व्यक्तिगत आयकर मद में 35,123 करोड़ रुपये और कंपनी कर मामले में 97,677 करोड़ रुपये वापस किये गये। आयकर विभाग ने ट्विटर पर लिखा है, ''केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) ने एक अप्रैल, 2020 से 10 नवंबर, 2020 के दौरान 39.75 लाख करदाताओं को कर रिफंड के रूप में 1,32,800 करोड़ रुपये वापस किये। इसमें 37,81,599 करदाताओं को व्यक्तिगत आयकर मद में 35,123 करोड़ रुपये तथा कंपनी कर के 1,93,813 मामलों में 97,677 करोड़ रुपये वापस किये गये।''

फाइजर कोरोना वैक्सीन की कीमत आई सामने, भारत में चुकानें होंगे इतने दाम

नई दिल्ली।

फार्मा कंपनी फाइजर की बनाई हुई वैक्सीन कोरोना पर जीत पाने में 90 फीसदी से ज्यादा असरदायक है। फार्मा कंपनी फाइजर द्वारा बनाई गई कोरोना वैक्सीन क्लीनिकल ट्रायल में 90 प्रतिशत तक असरदायक पाई गई है। ऐसे में उम्मीद जताई जा रही है कि अगर सब कुछ ठीक रहा तो नवंबर महीने के अंत तक कंपनी की वैक्सीन को बेचने की मंजूरी मिल जाएगी। ऐसे में कंपनी ने इसकी कीमत को लेकर खुलासा कर दिया है। सूत्रों के मुताबिक, फाइजर ने अपने वैक्सीन की कीमत 39 डॉलर (प्रति खुराक 19.5 डॉलर) रखी है। इसी तरह के **mRNA** वैक्सीन पर काम करने वाले मॉडर्ना ने कीमत 37 डॉलर आंकी है। भारत में इसके दाम यहां कि लॉजिटिक्स और इसपर लगने वाले शुल्क पर निर्धारित होगी। भारत में इसके दाम अन्य देशों की तुलना में कुछ ज्यादा रहने की उम्मीद है। फाइजर के अनुसार अमेरिका ने पहले ही इसकी 10 करोड़ डोज खरीदने के लिए फाइजर के साथ करार कर लिया है। इसके अलावा वैक्सीन जिन देशों में पहले दी जाएगी उनमें कनाडा, जापान और ब्रिटेन जैसे देश हैं, जिन्होंने कंपनी से पहले ही करार किया हुआ है। वहीं, फाइजर ने एशिया में **Distribution** के लिए चीन की कंपनी फोसून के साथ करार किया है। भारत ने केवल फाइजर बल्कि वैक्सीन बनाने वाली किसी भी कंपनी के साथ एडवांस खरीद में किसी के साथ कोई समझौता नहीं किया है। ऐसे में साफ है कि कोरोना वैक्सनी के लिए भारत को अभी इंतजार करना होगा।

वैक्सीन के इस्तेमाल को लेकर भारत में आएगी दिक्कत

कोरोना की इस वैक्सीन के इस्तेमाल को लेकर भारत में संशय बना हुआ है, क्योंकि यहां पर वैक्सीन को स्टोरेज की दिक्कत हो सकती है। इस वैक सीन को खास कोल्ड स्टोरेज की जरूरत पड़ती है। यह वैक्सीन -94 डिग्री फॉरेनहाइट से कम पर स्टोर होती है। यह वैक्सीन **mRNA** पर आधारित है, और इसी वजह से भारत में इसके इस्तेमाल को लेकर मुश्किलें आ सकती हैं।

बैंक बाजार मार्च तक 500 लोगों को नौकरी देगा, जनवरी से होगी वेतन वृद्धि

नई दिल्ली।

बैंकबाजार डॉट कॉम ने बुधवार को कहा कि वित्त वर्ष 2020-21 फिनटेक कंपनियों के लिए तेजी का साल है, और वह कारोबार में बढ़ोतरी के मद्देनजर अगले कुछ महीनों के दौरान 500 अधिक लोगों को नौकरी देगी। इसके साथ ही कंपनी एक जनवरी 2021 से सभी स्तरों पर वेतन वृद्धि और पदोन्नति भी करेगी। बैंक बाजार ने एक बयान में कहा कि वह ऋण तक संपर्क रहित पहुंच की पेशकश के लिए डिजिटल रूप से 'अपने ग्राहक को जानने' (केवाईसी) की प्रक्रिया को बढ़ावा देगी। कंपनी ने बताया कि नई नौकरियां चेन्नई, बेंगलुरु और मुंबई में दी जाएंगी। ये पद मुख्य रूप से ग्राहक सहायता के साथ ही इंजीनियरिंग इत्यादि के लिए होंगी। वर्तमान में कंपनी के कर्मचारियों की संख्या करीब 1,000 है। बैंक बाजार के सह-संस्थापक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी अखिल शेट्टी ने कहा कि पिछले सात महीनों में कंपनी का प्रदर्शन उसकी प्रौद्योगिकी ताकत और संपर्क रहित ऋण देने की क्षमता को रेखांकित करता है। उन्होंने कहा कि कंपनी को डिजिटल विकल्पों की मांग बढ़ने की उम्मीद है और इसके लिए एक अधिक बड़ी और विविधता भरी टीम तैयार की जा रही है।

नवप्रवर्तन को बढ़ावा देने के लिये प्रतिस्पर्धा जरूरी, ग्राहकों को विकल्प मिलने चाहिएः वीजा

मुंबई,

भुगतान प्रौद्योगिकी वैश्विक कंपनी वीजा ने बुधवार को कहा कि बाजार में सभी तरह की इकाइयों के बने रहने से नवप्रवर्तन को बढ़ावा मिलता है और ग्राहकों के लिये विकल्प उपलब्ध होते हैं। भारत सरकार के रूपे कार्ड को बढ़ावा देने पर जोर के साथ कंपनी ने अपनी प्रतिक्रिया में यह बात कही है। एक दिन पहले मंगलवार को वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बैंकों से 'केवल' रूपे कार्ड को बढ़ावा देने को कहा। वीजा के भारत और दक्षिण एशिया मामलों के क्षेत्रीय प्रबंधक टी आर रामचंद्रन ने कहा कि भारत में लोगों तक डिजिटल माध्यमों की पहुंच काफी कम है। कुल व्यक्तिगत खपत व्यय में केवल 18 प्रतिशत भुगतान में डिजिटल माध्यमों का उपयोग हो रहा है। उन्होंने कहा, ''हम सभी को इसमें भूमिका निभानी है।'' रामचंद्रन ने एक कार्यक्रम में यह बात कही। इस मौके पर वीजा और एचडीएफसी ने व्यापरियों के लिये ऐप का बेहतर संस्करण..स्मार्टहब मर्चेन्ट सोल्यूशंस 3.0' पेश किये जाने की घोषणा की। वीजा के साथ मास्टर कार्ड को रूपे कार्ड से प्रतिस्पर्धा का सामना करना पड़ रहा है। नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (एनपीसीआई) ने वीजा और मास्टर कार्ड के विकल्प के रूप में रूपे कार्ड पेश किया है। रामचंद्रन ने संवाददाताओं से बातचीत में कहा कि भारत एक बड़ा देश है और पश्चिमी देशों के मुकाबले डिजिटल तरीके से भुगतान कम है। उन्होंने कहा, ''अगर आंकड़े को देखा जाए...निजी खपत व्यय में केवल 18 प्रतिशत भुगतान डिजिटल माध्यमों से होता है। मेरा मानना है कि क्षेत्र में घरेलू और अंतरराष्ट्रीय सभी कंपनियों को काम करने की जरूरत है क्योंकि इससे नवप्रवर्तन को बढ़ावा और ग्राहकों को विकल्प मिलते हैं।'' सीतारमण ने मंगलवार को भारतीय बैंक संघ (आईबीए) की सालाना आम बैठक को संबोधित करते हुए बैंकों से अपने ग्राहकों को केवल रूपे कार्ड को बढ़ावा देने को कहा। उल्लेखनीय है कि 2012 में विकल्प के रूप में रूपे कार्ड पेश किये जाने के बाद से ही वैश्विक प्रतिद्वंद्वी कंपनियां परेशान हैं। भारत का मानना है कि वैश्विक भुगतान को सुगम बनाने वाली वैश्विक कंपनियां पैसा और आंकड़े देश से बाहर ले जाती हैं जिसे बचाया जा सकता है और देश में रखा जा सकता है।

कृषि आय बढ़ने से चालू वित्त वर्ष में 10-12% बढ़ सकती है ट्रैक्टर की बिक्रीः क्रिसिल

नई दिल्लीः

रेटिंग एजेंसी क्रिसिल ने बुधवार को कहा कि घरेलू बाजार में ट्रैक्टर की बिक्री में उम्मीद से कहीं बेहतर सुधार हो सकता है। अनुमान है कि इसकी वृद्धि दर चालू वित्त वर्ष में 10-12 फीसदी तक रहेगी, जबकि पहले बिक्री में एक फीसदी कमी का अंदाजा लगाया गया था। क्रिसिल ने एक बयान में कहा कि कोविड-19 महामारी के बावजूद कृषि आय में बढ़ोतरी की उम्मीद है। इसके अलावा भारत के दक्षिणी और पश्चिमी भागों में खरीफ की बुवाई बढ़ने और बेहतर मानसून के चलते ट्रैक्टर की मांग में बढ़ोतरी का अनुमान है। बयान में कहा गया कि अप्रैल-सितंबर 2020 के दौरान ट्रैक्टर की बिक्री सालाना आधार पर 12 फीसदी बढ़ी है। रेटिंग एजेंसी ने कहा कि बिक्री में बढ़ोतरी और बेहतर उत्पादों के कारण ट्रैक्टर विनिर्माताओं का परिचालन मार्जिन भी बढ़ेगा। क्रिसिल ने कहा कि सरकारी समर्थन और अच्छे मानसून के चलते उम्मीद है कि अगली फसल अच्छी होगी। क्रिसिल रेटिंग के निदेशक गौतम शाही ने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा न्यूनतम समर्थन मूल्य में बढ़ोतरी के चलते कृषि आय को बढ़ावा मिलेगा और इससे ट्रैक्टर की बिक्री में तेजी जारी रखने में मदद मिलेगी।

मोटरस्पोर्ट्स : ब्रिटिश एफ3 चैम्पियनशिप में मैनी को दूसरा स्थान

लंदन। भारत के युवा रेसर कुश मैनी ने यहां ब्रिटिश एफ3 चैम्पियनशिप 2020 में शानदार प्रदर्शन करते हुए दूसरा स्थान हासिल किया। मैनी को 2018 में तीसरा स्थान हासिल हुआ था और इस बार उन्होंने अपने प्रदर्शन में एक स्थान का सुधार किया है। वह अब तक तीन रेस और नौ बार पोडियम फिनिश कर चुके हैं। उन्हें अमेरिका के कीलियन फ्रेडरिक से खिताब हारना पड़ा। मैनी ने साल की अपनी पहली जीत के बाद चैम्पियनशिप में बढ़त ले ली थी और उन्होंने इसे डोनिंगटन पार्क में भी जारी रखा। हालांकि अगले दो राउंड में फ्रेडरिक ने अपनी बढ़त बना ली। अमेरिकी रेसर ने फाइनल राउंड में 13 अंकों की बढ़त बना ली और 499 अंकों के साथ रेस जीत ली। मैनी 498 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर रहे, जबकि उलिसे डी पेउ 398 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर रहे।

गुरजंत को ओलंपिक से पहले खुद को साबित करने की उम्मीद

बेंगलुरु ।

इस साल की शुरुआत में एफआईएच हॉकी प्रो लीग में भारतीय पुरुष हॉकी टीम का हिस्सा रहे फॉरवर्ड गुरजंत सिंह का मानना है कि उनके खेल में थोड़ी और सटीकता से उन्हें भारतीय टीम में नियमित रूप से अपनी जगह बनाने में मदद मिल सकती है। गुरजंत ने कहा, बेल्जियम और नीदरलैंड्स जैसी शीर्ष टीमों के खिलाफ खेलना मेरे लिए अच्छा था। मुझे लगता है कि अपनी भूमिका को बेहतर बनाने और इसे क्रियान्वित करने के लिए मैं और अधिक कर सकता हूं। ये अगले कुछ महीने मेरे लिए महत्वपूर्ण होंगे और मुझे उम्मीद है कि ओलंपिक से पहले मैं खुद को साबित कर सकता हूं। छह सप्ताह के ब्रेक के बाद भारतीय टीम अगस्त की शुरुआत से ही बेंगलुरु के साई सेंटर में बायो बबल में रह रही है। गुरजंत का मानना है कि टीम साथियों के साथ रहने से यह आसान हो गया है। 2016 में एफआईएच जूनियर पुरुष विश्व कप विजेता टीम का हिस्सा रहे फॉरवर्ड ने कहा, रुटीन सेट करना और बायो बबल में रहना आसान नहीं है। नियम काफी कठिन है और ये किसी भी खिलाड़ी के लिए चुनौतीपूर्ण हो सकता है। उन्होंने कहा, हम इसे बिना टीम-बॉन्डिंग के साझा नहीं कर सकते थे और जो सहयोग हमें कोचिंग स्टाफ से मिला है, जो पिछले नौ महीनों से खुद कैंपस से बाहर नहीं आया है। वे घर से बाहर हमारे परिवार की तरह हो गए हैं।

डीडीसीए चुनावं लड़ने वाले मिस्ट्री मैन ने सबको चौंकाया

नई दिल्ली ।

दिल्ली एवं जिला क्रिकेट संघ (डीडीसीए) के चुनावों में निदेशक पद के लिए खड़े हुए मिस्ट्री मैन के नाम से मशहूर प्रदीप कुमार अरोड़ा ने कहा है कि बिना किसी ग्रुप से आते हुए उन्होंने 92 वोट हासिल करते हुए इतिहास रचा है। पेशे से बीमा व्यवसायी अरोड़ा निदेशकों के चार पदों के खड़े हुए नौ उम्मीदवारों की सूची में सबसे नीचे रहे। उन्होंने कहा कि अगर वह बिनी किसी ग्रुप से आते हुए, बिना पैसे खर्च किए हुए इतने वोट हासिल कर सकते हैं तो वह अगले साल और बेहतर कर सकते हैं। डीडीसीए के पूर्ण चुनाव, जिनमें पूरे 12 निदशकों के पद के लिए चुनाव होंगे, वह अगले साल जून में होंगे। डीडीसीए के एक सीनियर अधिकारी ने आईएएनएस से कहा, अरोड़ा ने जब अपना नामांकन दाखिल किया था तो कोई नहीं जानता था कि वह कौन हैं। वह इन दो बड़े ग्रुपों में से नहीं थे जिन्होंने चुनाव लड़ा। इन्हीं डीडीसीए सदस्य ने बताया कि यह प्रदीप कुमार चुनावों से पहले अपना नामांकन वापस लेना चाहते थे, लेकिन वह इससे संबंधी डेडलाइन भूल गए और नामांकन वापस नहीं ले सके। डीडीसीए सदस्य ने कहा की प्रदीप कुमार को इस बात का ध्यान दिलाया गया था कि चुनावों से नाम वापस लेने की आखिरी तारीख 17 अक्टूबर है और इस दिन सुबह 11 बजे से दोपहर 1 बजे के बीच ही नामांकन वापस लिया जा सकता है, लेकिन उन्होंने कहा कि वह फिरोजशाह कोटला स्थित डीडीसीए मुख्यालय से वह काफी दूर हैं और तय समय तक वहां नहीं पहुंच पाएंगे। प्रदीप ने आईएएनएस से कहा, नामांकन वापस लेने की तारीख के दिन मेरे पास एक बजे किसी का फोन आया और उन्होंने कहा कि वह फिरोजशाह कोटला में मेरा इंतजार करेंगे। मैंने कहा कि एक बजे की डेडलाइन खत्म हो चुकी है। मैंने उनसे कहा कि मैं चुनाव लड़ूंगा अगर मैं लड़ना नहीं चाहता तो 92 वोट कैसे मिलते? अरोड़ा ने कहा कि लोग उनके बारे में भ्रामक बातें फैला रहे हैं। उन्होंने कहा, लेकिन कोई बात नहीं। मैं इस बार अगर बिना पैसा खत्म किए इतने वोट हासिल कर सकता हूं तो अगली बार मुझे ज्यादा वोट मिलेंगे। मैंने स्वतंत्र उम्मीदवार के तौर पर चुनाव लड़े थे। मैं किसी ग्रुप से नहीं जुड़ा था। जब इतिहास लिखा जाएगा तो वो कहीं से तो शुरू होगा। मैंने इतिहास रचा है। दो ग्रुपों में से किसने अरोड़ा के खिलाफ भ्रामक बातें फैलाई? इस बारे में उन्होंने कहा, मैं इस बारे में आश्वस्त होकर कुछ नहीं कह सकता, क्योंकि मुझे नहीं पता कि इसकी शुरुआत किसने की थी। उम्मीदवार के तौर पर मेरा नाम अखबारों में आया, डीडीसीए की वेबसाइट पर भी है। यह बैलट पेपर में भी था। मैं 1996 से डीडीसीए सदस्य हूं।

कोविड के कारण रद्द हुआ टाटा स्टील शतरंज टूर्नामेंट

कोलकाता। कोविड-19 महामारी के कारण लोगों के स्वास्थ को ध्यान में रख टाटा स्टील शतरंज रेपिड एंड ब्लिट्ज टूर्नामेंट को रद्द करने का फैसला किया गया है। यह टूर्नामेंट भारत का पहला सुपर शतरंज टूर्नामेंट है। पिछले दो संस्करणों से यह वैश्विक शतरंज कैलेंडर में अपनी छाप छोड़ता आ रहा है। टाटा स्टील के उपाध्यक्ष (कॉरपोरेट सर्विसेस) चाणक्य चौधरी ने कहा, टाटा स्टील शतरंज के खेल में काफी गर्व के साथ जुड़ा हुआ है। इस टर्नामेंट के शुरुआती दो संस्करण काफी सफल रहे थे और इसके भविष्य के संस्करण भी काफी प्रसिद्धि हासिल करेंगे। उन्होंने कहा कि कोविड-19 की स्थिति में शतरंज से जुड़े लोगों के स्वास्थ को ध्यान में रखते हुए आयोजकों ने इस साल इस टूर्नामेंट को रद्द करने का फैसला किया है। चौधरी ने कहा, हम उम्मीद करते हैं कि सभी के सामने बेहतर दिन आएं और साथ ही उम्मीद करते हैं कि हम अगले साल मजबूती से वापसी करेंगे।

रोहित को भारतीय टी-20 टीम का कप्तान बनना चाहिए : वॉन

नई दिल्ली।

इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वॉन ने कहा है कि भारतीय सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा को टीम इंडिया की टी-20 टीम का कप्तान बनना चाहिए। रोहित की कप्तानी में मुंबई इंडियंस ने मंगलवार को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल)-13 के फाइनल में दिल्ली कैपिटल्स को पांच विकेट से हराकर पांचवीं बार खिताब अपने नाम किया। मुंबई इंडियंस इससे पहले, 2013, 2015, 2017 और 2019 में आईपीएल खिताब अपने नाम कर चुका है और उसने सभी पांच खिताब रोहित की कप्तानी में ही जीते हैं। वॉन ने ट्विटर पर कहा, बिना किसी सवाल के रोहित शर्मा को भारत के टी-20 टीम का कप्तान बनना चाहिए। वह एक शानदार कप्तान हैं। वह अच्छे से जानते हैं कि टी-20 मैच कैसे जीते जाते हैं। इससे कोहली को बतौर खिलाड़ी खुलकर खेलने का मौका मिलेगा। रोहित भारत में टी20 फॉर्मेट का सर्वश्रेष्ठ कप्तान है। आप देखेंगे कि दुनिया के कई देशों में खिलाड़ी अलग अलग फॉर्मेट की कप्तानी करते हैं। वॉन से पहले, पूर्व भारतीय सलामी बल्लेबाज गौतम गंभीर भी रोहित को भारतीय क्रिकेट टीम के सीमित ओवरों का कप्तान बनाने की वकालत कर चुके हैं। गंभीर का मानना है कि अगर आगामी दिनों में रोहित शर्मा को भारतीय क्रिकेट टीम के सीमित ओवरों का कप्तान नहीं बनाया जाता है तो यह शर्मनाक होगा और इससे भारतीय क्रिकेट का नुकसान होगा। इस बीच, पूर्व भारतीय विस्फोटक बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग ने मुंबई इंडियंस को दुनिया का सर्वश्रेष्ठ टी-20 फ्रेंचाइजी करार दिया है। सहवाग ने ट्विटर पर कहा, अब तो आदत सी है सबको ऐसे धोने की। दुनिया की सर्वश्रेष्ठ टी-20 फ्रेंचाइजी और इस प्रारुप में सर्वश्रेष्ठ कप्तान। मुंबई इंडियंस जीत की हकदार कोई शक। कई चुनौतियों के बावजूद टूर्नामेंट का शानदार आयोजन किया गया। 32 वर्षीय रोहित को आस्ट्रेलिया दौरे के लिए भारत की सीमित ओवरों की टीम में नहीं चुना गया है जबकि उन्हें टेस्ट टीम में मौका दिया गया है।

संक्षिप्त समाचार

लिसेस्टरशायर ने तेज गेंदबाज एड बर्न्स के साथ किया करार

लंदन। इंग्लिश काउंटी क्रिकेट क्लब लिसेस्टरशायर ने तेज गेंदबाज एड बर्न्स के साथ तीन साल का करार किया है। बर्न्स इससे पहले यॉर्कशायर के साथ थे। डबीर्शायर में लोन पर 2020 सीजन बिताने वाले बर्न्स रनिंग फॉक्स से जुड़े थे, जहां उन्होंने प्रथम श्रेणी और टी 20 में अपना पदार्पण किया था। दाएं हाथ के तेज गेंदबाज ने अपना प्रथम श्रेणी पदार्पण ग्रेस रोड के साथ किया था, जहां उन्होंने बॉब विलिस ट्रॉफी में अपना पहला प्रथम श्रेणी विकेट लिया था। बर्न्स ने कहा, लिसेस्टरसिटी के साथ करार करके मैं वास्तव में खुश हूं। जब हम पहली बार निको (पॉल निक्सन) और सीन (जार्विस) से बातचीत किए थे यह कुछ हफ्तों के लिए थी। 22 वर्षीय बर्न्स ने अब तक छह पेशेवर मुकाबले खेले हैं, जिसमें उन्होंने बॉब विलीस ट्रॉफी में दो और विटैलिटी ब्लास्ट में चार मैच खेले हैं और छह विकेट लिए हैं।

संन्यास पर बोले राफेल नडाल- जब जुनून नहीं होगा तो ले लूंगा

नई दिल्ली। स्पेन के स्टार प्लेयर राफेल नडाल ने सवाल-जवाब सत्र के दौरान कई मजेदार जवाब दिए। नडाल से एक प्रशंसक ने उनकी नींद के बारे में पूछा था तो उन्होंने कहा- मैं सामान्य रूप से अच्छी नींद लेता हूं। जब हम दुनिया भर में यात्रा करते हैं और प्रमुख समय में अंतर होते है तो मैं सामान्य रूप से परिस्थितियों के अनुकूल होने के लिए टूर्नामेंट से पहले पर्याप्त समय के साथ प्रयास करता हूं। मैं तैयार रहने के लिए सबसे अच्छे तरीके से काम करने की कोशिश करता हूं। अनुभव के कारण मुझे पता है, कि यह मेरे प्रदर्शन को प्रभावित नहीं करेगा। संन्यास के मुद्दे पर नडाल ने कहा- मुझे नहीं पता कि मैं इसे हर किसी से बेहतर करूं। मैं बस हर समय अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने की कोशिश करता हूं। यह मेरे खेल की दृष्टि है और यह मेरे करियर के अंत तक इस तरह रहेगा। और अगर किसी कारण से किसी दिन, मैं इस जुनून, लड़ाई की भावना को महसूस नहीं करता, तो यह अलविदा कहने और कुछ और करने का दिन होगा।

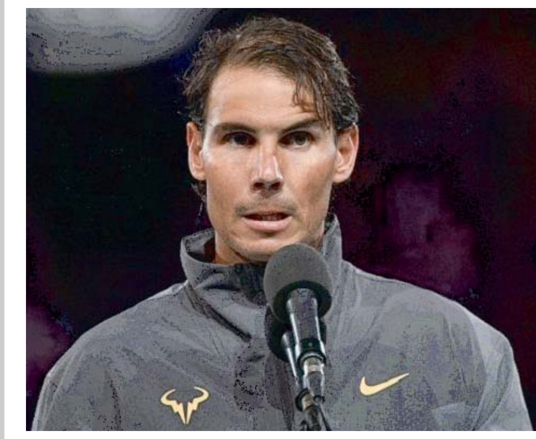

पहला खिताब चूकने के बाद अय्यर बोले-IPL फाइनल में पहुंचना आसान नहीं, मुझे अपनी टीम पर गर्व है

दुबई।

दिल्ली कैपिटल्स 12 साल के बाद ढ्ढक्क के फाइनल में पहुंची थी, लेकिन मंगलवार को मुंबई इंडियंस ने उसे 13वें सीजन के फाइनल में 5 विकेट से हरा उसके पहली बार ढ्ढक्क जीतने के सपने को तोड़ दिया। दुबई इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में खेले गए फाइनल में दिल्ली ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवरों में सात विकेट के नुकसान पर 156 रन बनाए। मुंबई ने 18.4 ओवरों में पांच विकेट के नुकसान पर यह लक्ष्य हासिल कर लिया। मैच के बाद निराश अय्यर ने कहा, ढ्ढक्क हमेशा आपको हैरान करता है। शायद सबसे मुश्किल लीग। मैं इस लीग में खेलकर बेहद खुश हूं। यह शानदार सफर रहा। मुझे अपने खिलाड़ियों पर गर्व है। फाइनल में पहुंचना आसान नहीं है। यह अच्छी उपलब्धि है, लेकिन ढ्ढक्क जीतते तो और ज्यादा अच्छा होता, एक कदम आगे होते।

अय्यर ने कहा कि टीम अगले सीजन मजबूती से वापसी करेगी। उन्होंने कहा, हम मजबूती से वापसी करेंगे और ट्रॉफी जीतने की कोशिश करेंगे। उन्होंने प्रशंसकों का शुक्रिया करते हुए कहा, मैं प्रशंसकों से कहना चाहता हूं कि आप लोगों ने पूरे सीजन हमारा साथ दिया उसके लिए शुक्रिया।

अय्यर ने कोच रिकी पोंटिंग की भी तारीफ की और कहा, मैंने कई बार कहा है कि मैंने जितने लोगों के साथ काम किया है उनमें से रिकी सर्वश्रेष्ठ हैं। वह मुझे खेलने की पूरी स्वतंत्रता देते हैं। मुझे उनके साथ रहना पसंद है। वह आत्मविश्वासी कोच हैं। वह जिस तरह से बैठकें करते हैं और खिलाड़ियों को प्रेरित करते हैं वो लाजवाब है।

डब्ल्यूबीबीएल के 6 नॉकआउट मुकाबले लाइट्स में खेले जाएंगे

मेलबर्न।

महिला बिग बैश लीग (डब्ल्यूबीबीएल) टूर्नामेंट में पहली बार नॉकआउट के मुकाबले शाम को रोशनी में खेले जाएंगे। क्रिकेट आस्ट्रेलिया (सीए) ने बुधवार को इसकी घोषणा करते हुए बताया कि नॉर्थ सिडनी ओवर में खेले जाने वाले ये मुकाबले 25, 26 और 28 नवंबर को शाम 7ञ्10 बजे से शुरू होंगे। क्रिकेट आस्ट्रेलिया के बीबीएल प्रमुख एलिस्टेयर डॉब्सन ने कहा, एक पूर्ण प्राइम टाइम फाइनल सीरीज में जाने से डब्ल्यूबीबीएल विकास में एक और बड़ी छलांग है। उन्होंने कहा, यह घोषणा हमारे क्लबों और लीग के उत्कृष्ट कार्यों के लिए एक वसीयतनामा है जिन्होंने इस तरह से एक सुरक्षित और सफल टूर्नामेंट दिया है। इसके लिए हम एनएसडब्ल्यू सरकार को धन्यवाद देते हैं।

भारतीय युवा खिलाड़ियों का उभरकर सामने आना आईपीएल-13 का बेस्ट पार्ट : ली

दुबई ।

आस्ट्रेलिया के पूर्व तेज गेंदबाज ब्रेट ली ने कहा है कि आईपीएल-13 से युवा भारतीय क्रिकेटर बेहतरीन प्रदर्शन के साथ उभरकर सामने आए हैं और यह टूर्नामेंट का सबसे अच्छा हिस्सा रहा है। ब्रेट ली ने स्टार स्पोर्ट्स के कार्यक्रम में कहा, यह असाधारण टूर्नामेंट रहा। स्टेडियम में प्रशंसकों की मौजूदगी के बिना खेलना मुश्किल है, लेकिन इस सीजन की सबसे अच्छी बात यह रही कि युवा भारतीय खिलाड़ी उभरकर सामने आए हैं। ली ने कहा कि टीमों में गुणवत्ता वाले तेज गेंदबाजों का होना भी उनके लिए सकारात्मक रहा। उन्होंने कहा, हमने दिल्ली कैपिटल्स को कुछ अच्छे क्रिकेट खेलते देखा, इसलिए मैं हमेशा तेज गेंदबाजी के लिए भी कहूंगा।

बुमराह ने आईपीएल में किया कमाल, लेकिन वनडे को लेकर है चिंता

नई दिल्ली।

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में इस साल जसप्रीत बुमराह ने जैसा प्रदर्शन किया है वो भारतीय टीम के लिए लिहाज से फायदे की बात है, लेकिन उनकी असल परीक्षा अगले महीने आस्ट्रेलिया में होने वाली वनडे सीरीज में होगी। बुमराह आईपीएल-13 में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाजों की सूची में दूसरे स्थान पर रहे थे। कोविड-19 के कारण लगे लॉकडाउन से पहले भी बुमराह टी-20 में बेहतरीन प्रदर्शन कर रहे थे, लेकिन वनडे में उनकी फॉर्म चिंताजनक है। कम शब्दों में कहा जाए तो बुमराह इस साल वनडे में उस तरह के विकेट टेकर के तौर पर नजर नहीं आए जो वह चोट से पहले थे।

दाएं हाथ के इस तेज गेंदबाज को पिछले साल पीठ में चोट थी, जिस कारण वह 2019 में अगस्त में हुए वेस्टइंडीज दौरे के बाद से एक भी अंतर्राष्ट्रीय मैच नहीं खेले थे। इस साल जनवरी-फरवरी में जब उन्होंने अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर वापसी की थी तो टी-20 और वनडे में उनका फॉर्म काफी अलग था। उन्होंने आठ टी-20 मैचों में आठ विकेट लिए थे और इस दौरान उनका इकॉनोमी रेट 6.38 रहा था जो उनके करियर इकॉनोमी रेट से बेहतर था। लेकिन वह वनडे में विकेट लेने में संघर्ष करते हुए दिखे थे। छह वनडे में उन्हें सिर्फ एक विकेट मिला था और प्रति ओवर 5.1 की दर से रन दिए थे जो वनडे में उनके करियर इकॉनोमी रेट 4.55 से थोड़ा ज्यादा है।

भारत के पूर्व सलामी बल्लेबाज गौतम गंभीर ने कहा कि बुमराह उन बल्लेबाजों के डिफेंस को भी तोड़ सकते हैं जो उन्हें आराम से खेलना चाहते हैं। भारत की 1983 विश्व विजेता टीम का हिस्सा रहे पूर्व तेज गेंदबाज मदन लाल ने भी बुमराह की तारीफ की है और कहा है कि आईपीएल में कोई भी उन्हें आसानी से नहीं खेल पाया। मदन लाल ने कहा, रबादा ने बेशक ज्यादा विकेट लिए हों, लेकिन कोई भी बुमराह को आसानी से नहीं खेल पाया।

उन्होंने काफी अहम विकेट अपने नाम किए हैं। मदन लाल ने कहा कि बुमराह के टी-20 और वनडे में जो अंतर है वो इसलिए है, क्योंकि दोनों प्रारूपों के स्वरूप में अंतर है। मदन लाल ने कहा कि वनडे में बल्लेबाज अच्छे गेंदबाज को सतर्क रहकर खेलते हैं, लेकिन टी-20 में वह ऐसा नहीं करते, क्योंकि उन्हें शुरू से ही रन बनाने होते हैं। उन्होंने कहा, वह विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं, इसमें कोई शक नहीं है।

लेकिन 50 ओवरों में, बल्लेबाज तालमेल बिठा लेते हैं। वह जानते हैं कि यह 10 ओवरों का स्पैल है। इसके अलावा 40 ओवर और हैं। टी-20 में कुछ ही ओवर होते हैं।

न्यूजीलैंड दौरे के लिए आमिर, मलिक, शफीक को पाकिस्तान टीम में नहीं मिली जगह

लाहौर। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने बुधवार को न्यूजीलैंड दौरे के लिए 35 सदस्यीय टीम का ऐलान किया है जिसमें असद शफीक, शोएब मलिक और मोहम्मद आमिर को जगह नहीं मिली है। पाकिस्तान दिसंबर-जनवरी में न्यूजीलैंड का दौरा करेगी ,जहां वह तीन मैचों की टी-20 और दो टेस्ट मैचों की सीरीज खेलेगी। नवनियुक्त टेस्ट कप्तान बाबर आजम टीम की कप्तानी करेंगे। अमद बट, दानिश अजीज, इमरान बट और 19 साल के विकेटकीपर रोहेल नजीर को टीम में जगह मिली है। विकेटकीपर मोहम्मद रिजवान को उपकप्तान नियुक्त किया है, जबकि शादाब खान को टी-20 में उपकप्तान नियुक्त किया गया है। पीसीबी द्वारा जारी किए गए बयान में पाकिस्तान के मुख्य कोच मिस्बाह उल हक के हवाले से लिखा है, मैं पहली बार टीम में आ रहे अमद बट, दानिश अजीज और रोहेल नजीर का स्वागत करता हूं, जिन्होंने अपनी फॉर्म से चयनकर्ताओं को प्रभावित किया। पहला टी-20 मैच 18 दिसंबर को ऑकलैंड में और दूसरा टी-20 मैच 20 दिसंबर को हेमिल्टन में खेला जाएगा। तीसरा मैच नेपियर में 22 दिसंबर को खेला जाएगा। पहला टेस्ट मैच 26 दिसंबर से माउंग माउंगनुई में और दूसरा टेस्ट मैच क्राइस्टचर्च में तीन जनवरी से शुरू होगा।

पत्नी आलिया से तलाक की खबरों के बीच नवाजुद्दीन सिद्दीकी बोले- बच्चों के प्रति निभाएंगे सारी जिम्मेदारी

बॉलीवुड एक्टर नवाजुद्दीन सिद्दीकी पिछले काफी समय से अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर सुर्खियों में बने हुए हैं। नवाजुद्दीन की पत्नी आलिया ने कोर्ट में तलाक की अर्जी दी है। आलिया ने नवाजुद्दीन, उनके परिवार और उनके भाइयों पर मारपीट और धोखधड़ी के सनसनीखेज आरोप भी लगाए हैं।

अब तलाक डिवोर्स की खबरों के बीच नवाज ने अपने दिल की बात की है। उन्होंने एक न्यूज पोर्टल को दिए इंटरव्यू में इस विवाद पर रिएक्ट किया है। नवाजुद्दीन के मुताबिक वो अपनी निजी जिंदगी के बारे में तो पब्लिक प्लेटफॉर्म पर नहीं बता सकते हैं, लेकिन उन्हें पूरी उम्मीद है कि वो अपने बच्चों के प्रति सारी जिम्मेदारी निभाएंगे।

नवाज का कहना है कि उन्हें पूरी उम्मीद है कि वो अपने बच्चों की प्रति सभी जिम्मेदारियों को निभा पाएंगे। वो अपनी बेटी को बहुत प्यार करते हैं।

गौरतलब है कि पत्नी आलिया की तरफ से नवाज पर बेवफाई के आरोप लगाए गए हैं, वहीं नवाज ने तमाम आरोपों को बकवास करार दिया है। उन्होंने इसे ड्रामा बता दिया है। ऐसे में तलाक से पहले ही नवाजुद्दीन और आलिया का रिश्ता काफी खराब मोड़ पर आ गया है।

वर्क फ्रंट की बात करें तो नवाजुद्दीन पिछली बार फिल्म 'सीरियस मैन' में नजर आए थे। सीरियस मैन को ओटीटी पर रिलीज किया गया था।

अजय देवगन ने की अमेजॉन के साथ 5 फिल्मों की डील, जानें कौन सी नयी फिल्म होगी रिलीज

अजय देवगन इंडस्ट्री के सबसे बड़े सितारों में से एक हैं। इस समय अजय देवगन अपने करियर के पिक पर है। 2020 में अजय देवगन की फिल्म तान्हाजी ने सबसे ज्यादा कमाई की है। साथ ही यह फिल्म अजय देवगन के करियर की सबसे ज्यादा बॉक्स ऑफिस पर कमाई करने वाली फिल्म बनी है।

हाल ही में, हमने अजय देवगन की रोमांचक परियोजना 'मेडे' का खुलासा किया जिसमें वह अमिताभ बच्चन के साथ अभिनय और निर्देशन करेंगे। अब, ऐसा लगता है कि अभिनेता के हाथों में एक और बड़ी परियोजना लग गई है क्योंकि वह अमेज़ॅन स्टूडियो के साथ पांच-फिल्म सौदे पर हस्ताक्षर किए हैं।

बॉलीवुड हंगामा ने विशेष रूप से पता लगाया है कि अजय ने अमेज़ॅन प्राइम के साथ पांच फिल्म समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं।

अभिनेता के एक करीबी सूत्र ने एक प्रमुख समाचार पोर्टल को बताया, 'अजय की स्लेट आशाजनक है, और एक सौदे के लिए कई दिग्गजों द्वारा उनका पीछा किया जा रहा था, और यह अंततः अमेज़ॅन है। प्रति फ़िल्म मौद्रिक शब्दों में उनका सौदा सलमान खान के बाद अब तक का दूसरा सबसे बड़ा सौदा है, जिसका अमेज़न प्राइम से भी करार है। विशेष रूप से स्टार नेटवर्क ने अजय देवगन की फिल्मों से बहुत पैसा कमाया, जिसने उनके बाजार मूल्य को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। जबकि एक डिजिटल सौदे को बंद कर दिया गया है और हस्ताक्षर किए गए हैं, वह एक अग्रणी चैनल के साथ अपने सौदे को बंद करने के कगार पर है।

सुनील शेट्टी को मिला 'भारत रत्न डॉ अंबेडकर अवॉर्ड', कोरोना काल में किया था यह काम

बॉलीवुड एक्टर सुनील शेट्टी को हाल ही में कोविड-19 में राहत की कोशिश के लिए उनके योगदान के लिए प्रतिष्ठित 'भारत रत्न डॉ अंबेडकर पुरस्कार' से सम्मानित किया गया है। एक्टर को महाराष्ट्र के राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी ने राजभवन में पुरस्कार देकर सम्मानित किया।

सम्मान समारोह के दौरान सिर्फ 25 लोग मौजूद थे। कोरोना और लॉकडाउन में प्रवासी और दिहाड़ी मजदूरों को तमाम दिक्कतों का सामना करना पड़ा था, जिसमें सोनू सूद और सुनील शेट्टी जैसे स्टार्स ने आगे आकर लोगों की मदद की।

सुनील शेट्टी ने महिलाओं का सशक्तीकरण किया, पशु कल्याण के लिए जागरूकता बढ़ाई और लॉकडाउन के दौरान मुंबई के डब्बावालों की सहायता की। एक्टर ने डब्बावालों के लिए बड़े पैमाने पर भोजन की आपूर्ति की व्यवस्था की थी।

'भारत रत्न डॉ अंबेडकर पुरस्कार' से सम्मानित होने के बाद सुनील शेट्टी ने कहा, जिन चीजों पर ध्यान जाता है उन्हें न करें, लेकिन याद रखने वाली चीजें करें। दें और भूल जाएं। स्वीकार करें और हमेशा याद रखें।

सुनील शेट्टी की फिल्मों की बात करें तो वह इस साल रिलीज रजनीकांत की फिल्म दरबार में नजर आए थे। इसमें सुनील के काम को बहुत पसंद किया गया था। अब सुनील गैंगस्टर-ड्रामा फिल्म मुंबई सागा में दिखेंगे। यह एक मल्टीस्टार फिल्म है।

'लाल सिंह चड्ढा' में शाहरुख खान करेंगे कैमियो रोल, आमिर खान ने किया डायरेक्ट

बॉलीवुड सुपरस्टार शाहरुख खान साल 2018 में रिलीज हुई फिल्म 'जीरो' की असफलता के बाद से ही किसी फिल्म में नजर नहीं हैं। फैंस उन्हें बड़े पर्दे पर देखने का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। हाल ही में शाहरुख दुबई में एक लंबा वक्त बिताकर वापस भारत आए हैं।

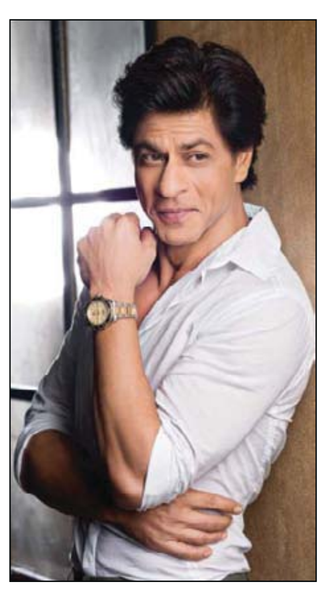

खबरें है कि दुबई जाने से पहले शाहरुख खान ने आमिर खान की आने वाली फिल्म 'लाल सिंह चड्ढा' के लिए अपने एक स्पेशल कैमियो की शूटिंग की थी। फिल्म में शाहरुख के जितने भी दृश्य हैं, सभी को फिल्म के मुख्य अभिनेता आमिर खान ने खुद फिल्माया था।

जब आमिर खान दिल्ली में करीना कपूर के साथ फिल्म की शूटिंग कर थे तो उसी समय शाहरुख दिल्ली में आए थे और अपने पार्ट की शूटिंग करके चले गए। वैसे तो आमिर खान की फिल्म 'लाल सिंह चड्ढा' का निर्देशन अद्वैत चंदन कर रहे हैं। लेकिन, जब फिल्म में शाहरुख को फिल्माने की बारी आई तो उनके सभी दृश्य आमिर ने फिल्माए।

आमिर और शाहरुख ने फिल्म के सेट पर खूब इंजॉय किया। शाहरुख खान की कंपनी ही आमिर की इस फिल्म के लिए स्पेशल विजुअल इफेक्ट्स का काम देख रही है।

बता दें कि आमिर खान की यह फिल्म ऑस्कर अवॉर्ड जीत चुकी हॉलीवुड फिल्म 'फॉरेस्ट गंप' का हिन्दी अडैप्टेशन है। इस फिल्म में आमिर खान के साथ करीना कपूर मुख्य किरदार में नजर आने वाली हैं। 'लाल सिंह चड्ढा' अगले साल क्रिसमस के मौके पर रिलीज की जा सकती है।

बॉलीवुड में दीपिका पादुकोण ने पूरे किए 13 साल, सोशल मीडिया पर बदला अपना नाम

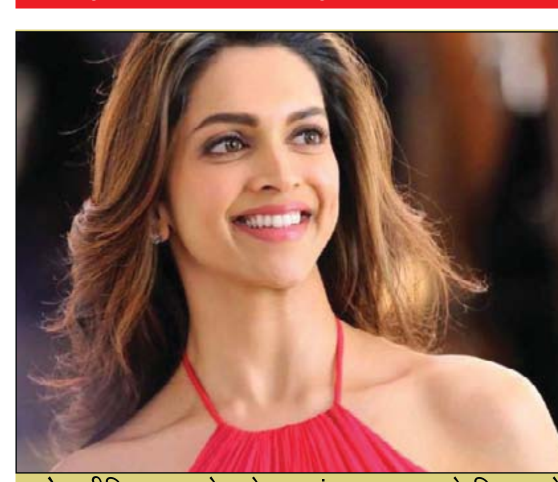

एक्ट्रेस दीपिका पादुकोण ने 9 नवंबर, 2007 को फिल्म ओम शांति ओम के साथ बॉलीवुड में डेब्यू किया था। बॉलीवुड में अपने डेब्यू के 13 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में, दीपिका पादुकोण ने सोशल मीडिया पर अपना नाम बदल लिया है। दीपिका पादुकोण ने नाम बदलकर शांतिप्रिया रखा है। फिल्म ओम शांति ओम में दीपिका पादुकोण ने शांति प्रिया का किरदार निभाया था जिसके लिए उन्हें बहुत ज्यादा दर्शकों ने पसंद किया था।

फिल्म ओम शांति ओम एक पुनर्जन्म की कहानी थी, जिसमें शाहरुख खान ने मुख्य भूमिका निभाई थी, जबकि फराह खान ने फिल्म को डायरेक्ट किया था। ओम शांति के लिए ओम दीपिका ने कथित तौर पर स्क्रीन टेस्ट नहीं दिया था।

दीपिका ने ओम शांति ओम के लिए सर्वश्रेष्ठ फीमेल डेब्यू के लिए फिल्मफेयर पुरस्कार जीता था और फिल्मों से एक शानदार यात्रा की शुरुआत की थी। इस फिल्म में शाहरुख खान और दीपिका पादुकोण की केमिस्ट्री को बहुत पसंद किया गया था, जो कि बॉक्स ऑफिस पर 78 करोड़ रुपये की कमाई के साथ एक बड़ी ब्लॉकबस्टर बन गई थी। इस जोड़ी ने फराह के एक और निर्देशन- हैप्पी न्यू ईयर के साथ-साथ रोहित शेट्टी की चेन्नई एक्सप्रेस' में भी रोमांस किया। रिपोर्ट्स की मानें तो शाहरुख खान और दीपिका पादुकोण जल्द ही बॉलीवुड की एक और बड़ी फिल्म के लिए फिर से मिल सकते हैं।

काजल अग्रवाल ने शेयर की अपने हनीमून की तस्वीरें, रोमांटिक अंदाज में नजर आयी जोड़ी

सिंघम एक्ट्रेस काजल अग्रवाल ने 30 अक्टूबर 2020 को अपने लॉन्ग टाइम बॉयफ्रेंड गौतम किचलू के साथ शादी के बंधन में बंध गयी। काजल अग्रवाल और गौतम किचलू की मुंबई के ताज कोलाबा में शादी परिवार की मौजूदगी में काफी धूमधान से हुई। काजल अग्रवाल और गौतम किचलू इस समय अपने नयी शादी को मालदीव में एंजॉय कर रहे हैं। काजल अग्रवाल और गौतम किचलू ने मालदीव में अपने हनीमून की कुछ तस्वीरें सोशल मीडिया पर साझा की है। दंपति 7 नवंबर को अपनी शादी के बाद मालदीव के लिए रवाना हुए थे।

काजल अग्रवाल ने रविवार को इंस्टाग्राम पर अपने हनीमून से कुछ तस्वीरें साझा की। तस्वीरों में, काजल और गौतम दोनों समुद्र तट पर खड़े हुए दिखाई पड़ रहे हैं। काजल ने रेड में फ्लोरल प्रिंट स्पेगेटी स्ट्रैप बीच ड्रेस पहनी थी। गौतम को सफेद शर्ट और भूरे रंग के शॉर्ट्स में कैजुअल लुक देते हुए देखा गया। इसके अलावा काजन ने एक तस्वीर और शेयर की है जिसमें केवल काजल के पैरों को देखा जा सकता हैं। कालज के पैरों में मेंहदी लगी हुई हैं। और उन्होंने एक टेबल पर अपने पैर रखें हुए हैं। टेबल पर चश्मा, हैंडबैग और टोपी रखी हुई हैं।

काजल अग्रवाल और गौतम किचलू शनिवार सुबह एक फ्लाइट से रवाना हुए। मालदीव पहुंचने के बाद उन्होंने रिसॉर्ट से अपनी एक तस्वीर साझा की। अपनी तस्वीर को साझा करते हुए, गौतम किचलू ने लिखा, 5आवश्यक सावधानी बरतते हुए फिर से यात्रा करने में सक्षम होने के लिए आभारी। धीरे-धीरे तेजी से हम सामान्य स्थिति की ओर बढ़ रहे हैं। सुंदर स्थानों के प्रति मेरी दिलचस्पी बनी रहती है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

उत्तरप्रदेश में विधानसभा उपचुनाव में भाजपा-सपा अपनी-अपनी सीटें बचाने में कामयाब

लखनऊ (एजेसी)। उत्तरप्रदेश की सात विधानसभा सीटों में से छह सीटें भाजपा और एक सीट सपा के हिस्से में आयी है. इस प्रकार उपचुनाव में भारतीय जनता पार्टी और समाजवादी पार्टी अपनी-अपनी सीटें बचाने में कामयाब रहे हैं.

इस बीच उत्तरप्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और प्रदेश भाजपा अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह, उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और डॉक्टर दिनेश शर्मा समेत तमाम पदाधिकारियों ने भाजपा प्रदेश मुख्यालय में पहुंचकर एक-दूसरे को मिठाई खिलाई और जीत की बधाई दी.

मीडिया से बातचीत में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उप चुनाव के परिणाम पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को श्रेय देते हुए कहा, "चुनावी नतीजों ने साबित किया "मोदी हैं तो मुमकिन है"." उन्होंने जीत के लिए मतदाताओं के प्रति आभार जताया. योगी ने टवीट किया, "प्रदेश के साथ-साथ देश के भीतर हुए चुनावों के यह सुखद परिणाम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लोक कल्याण, गरीब कल्याण, राष्ट्रीय सुरक्षा, वैश्विक मंच पर भारत को प्रदान की जा रही प्रतिष्ठा और जनहित में किये गये कार्यक्रमों के प्रति जनविश्वास का प्रतीक है."

मीडिया से बातचीत में योगी ने कहा कि यह परिणाम आने वाले चुनाव का संकेत है. उन्होंने इस बात पर संतोष जताया कि 2017 में भाजपा के पक्ष में जो जनादेश मिला उसे मतदाताओं ने बनाए रखा है.

दिवाली पर योगी सरकार का बड़ा फैसला

लखनऊ (एजेसी)। प्रदूषण को देखते हुए उत्तर प्रदेश सरकार ने लखनऊ, वाराणसी कानपुर सहित एनसीआर में आतिशबाजी पर रोक लगा दी है। एनजीटी न्यायालय नई दिल्ली द्वारा दिए गए आदेशों के क्रम में यह फैसला लिया गया है।

मुख्य सचिव राजेंद्र कुमार तिवारी ने एनजीटी न्यायालय के आदेशों का पालन करने के लिए दिशा निर्देश मंगलवार को जारी किए हैं। बरेली व प्रयागराज में आतिशबाजी पर रोक का फैसला फिलहाल नहीं किया गया है। दीपावली मनाने के लिए ग्रीन क्रेकर, डिजिटल, लेजर तकनीकी का प्रयोग करने के लिए लोगों को प्रोत्साहिक करने के निर्देश दिए हैं।

प्रदेश सरकार ने आतिशबाजी की बिक्री व प्रयोग के संबंध में एनजीटी न्यायालय नई दिल्ली द्वारा पारित आदेशों के क्रम में विस्तृत दिशानिर्देश सभी मंडलायुक्तों, जिलाधिकारियों के साथ ही मंडलीय व जनपदीय वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों को दिए हैं। मुख्य सचिव राजेन्द्र कुमार तिवारी ने बताया है कि एनजीटी न्यायालय द्वारा एनसी. आर के जिला मुजफ्फरनगर की स्थिति खराब, आगरा, मेरठ व हापुड़(एनसीआर) और वाराणसी बहुत खराब, जबकि एनसीआर में गाजियाबाद, नोएडा व ग्रेटर नोएडा, बागपत व बुलंदशहर के अलावा कानपुर, मुरादाबाद में प्रदूषण का स्तर एक्यूआई की स्थिति गंभीर बताई गई है। इन जिलों में आतिशबाजी की बिक्री व प्रयोग पर एनजीटी न्यायालय द्वारा दिए गए आदेशों का अनुपालन कराया जाएगा।

उन्होंने बताया है कि प्रदेश के जिन जनपदों में एक्यूआई माडरेट या उससे बेहतर है, वहां पर केवल ग्रीन क्रेकर्स बेचे जाएं।

इसके अतिरिक्त इन जनपदों में दीपावली को मनाने के लिये ग्रीन क्रेकर व डिजिटल/लेजर आदि नई तकनीक के प्रयोग को आमजन में प्रोत्साहित किया जाए।

पटाखे से दूरी, सेहत के लिए जरूरी : डॉ. अनुपम भास्कर

वायु प्रदूषण व नमी के चलते जहरीला धुआं इर्द-गिर्द रहकर पैदा कर सकता है दिक्कत

अलीगढ़ (एजेसी)। कोविड–19 के दौर में पड़ने वाले त्योहारों को लेकर लोगों को सुरक्षित बनाने का हरसंभव प्रयास सरकार के साथ ही स्वास्थ्य विभाग द्वारा भी किया जा रहा है । दीपावली पर पटाखे जलाने की सदियों पुरानी परम्परा को इस बार नजरंदाज करके ही हम समुदाय को सेहतमंद बनाने में अपनी अहम् भूमिका निभा सकते हैं । इस समय वायु प्रदूषण और नमी की जद में प्रदेश के अधिकतर जिले हैं, ऐसे में पटाखे का जहरीला धुआं उड़कर ऊपर न जाकर नीचे हमारे इर्द–गिर्द ही रहकर सांसों के साथ ही फेफड़ों को भी प्रभावित कर सकता है । इसलिए सांस लेने में तकलीफ पैदा करने वाले कोरोना के साथ ही अन्य कई बीमारियों से बचने के लिए भी इस बार पटाखों से दूरी बनाने में ही सभी की भलाई है । नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल ने

साँसों के साथ ही फेफड़ों को प्रभावित कर कई बीमारियों को दे सकता है

आमन्त्रण–सत्यवीर सिंह

लखनऊ समेत प्रदेश के 13 अधिक प्रदूषण वाले जिलों में पटाखे जलाने पर रोक लगा रखी है ।

जिला क्षय रोग अधिकारी (डीटी. ओ) डॉ. अनुपम भास्कर का कहना है कि दीपावली पर चन्द सेकेण्ड के धमाकों व तेज रोशनी के लिए की जाने वाली आतिशबाजी से निकलने वाले जहरीले धुंएँ में कई तरह के खतरनाक रासायनिक तत्व मौजूद होते हैं जो पर्यावरण को प्रदूषित करने के साथ ही शरीर को नुकसान पहुंचाते हैं । इसके धुएं में मौजूद कैडमियम फेफड़ों में आक्सीजन की मात्रा को कम करता है । इसके अलावा इसमें मौजूद सल्फर, कॉपर, बेरियम, लेड, अल्युमिनियम व कार्बन डाईआक्साइड आदि सीधे फेफड़ों को नुकसान पहुंचाते हैं । कोरोना ने सांस की तकलीफ वालों को ज्यादा प्रभावित किया है,

सार–समाचार

महिला से बलात्कार के मामले में कोर्ट ने तांत्रिक को सुनाई उम्रकैद की सजा

ललितपुर(एजेसी)। ललितपुर जिले की एक अदालत ने एक तांत्रिक को झाड़–फूंक के बहाने एक दलित महिला से बलात्कार करने के ढाई साल पुराने मामले में उम्रकैद की सजा सुनाई है। उस पर 10 हजार रुपये जुर्माना भी लगाया है। सहायक लोक अभियोजक (एडीजीसी) लखनलाल ने बुधवार को बताया, अभियोजन और बचाव पक्ष के अधिवक्ताओं की दलीलें सुनने के बाद अपर जिला एवं सत्र न्यायालय (एससी–एसटी) के न्यायाधीश जगदीश कुमार की अदालत ने मामले में दोषी पाए गए तालबेहट थाना क्षेत्र के तांत्रिक राहुल प्रजापति को उम्रकैद की सजा सुनाई है। एडीजीसी ने बताया कि सात जून 2018 की रात महिला का बलात्कार किया गया था।

पीड़िता की रहती थी तबीयत खराब, तंत्र–मंत्र से ठीक करने के बहाने एकांत में किया रेप

उन्होंने बताया, पीड़िता की तबीयत खराब रहती थी। तांत्रिक राहुल प्रजापति तंत्र विद्या से पीड़िता को ठीक करने के बहाने उसे रात में टेकरी ढाबा के पास एकांत जगह ले गया और उसका बलात्कार किया। तांत्रिक घटना के बाद हुई गिरफ्तारी से ही जेल में बंद है। एक अन्य मामले में बांदा की एक अदालत ने 16 माह पुराने केस में छह साल की बच्ची से बलात्कार के दोषी पाए गए एक युवक को 20 साल कैद की सजा सुनाई और उस पर 20 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया। सहायक लोक अभियोजक (एडीजीसी) रामसुफल सिंह ने बताया, 24 जून 2019 को देहात कोतवाली क्षेत्र के एक गांव की महिला ने पुलिस में प्राथमिकी दर्ज कराई थी कि उसकी बच्ची खेत से बकरी चराकर घर लौट रही थी, तभी रास्ते से पड़ोसी युवक भरत आरख उसे टीवी देखने के बहाने अपने घर ले गया और वहां बच्ची के साथ बलात्कार किया। उन्होंने बताया कि महिला अपनी बेटी को ढूंढते हुए जब युवक के घर गयी तो उन्हें (मां, बेटी को) जान से मारने की धमकी देकर भाग गया था।

लिव इन में रह रही प्रेमिका सिलबट्टे से प्रेमी का सिर कुचलकर फरार

हमीरपुर(एजेसी)। उत्तर प्रदेश के हमीरपुर जिले के राठ कस्बे के भटियाना मोहल्ले में 'लिव इन रिलेशन' में रह रही एक युवती ने सिलबट्टे से सिर कुचलकर अपने प्रेमी की कथित रूप से हत्या कर दी और फरार हो गयी। राठ कोतवाली के प्रभारी निरीक्षक (एसएचओ) केके पांडेय ने बुधवार को बताया राठ कस्बे के भटियाना मोहल्ले में मंगलवार की देर शाम एक युवती ने पत्थर के सिलबट्टे से सिर कुचलकर अपने प्रेमी वीरेंद्र अनुरागी (23) की हत्या कर दी और फरार हो गयी।

पुलिस के मुताबिक आरोपी युवती वर्षा अनुरागी (21) पिछले पांच माह से युवक के साथ 'लिव इन रिलेशन' में रह रही थी। उन्होंने बताया कि घटना के समय युवक की मां सरस्वती एक नवोदय विद्यालय के छात्रावास में खाना बनाने गयी थी और उसका छोटा भ. ाई अनिल जूते की दुकान में काम करने चला गया था। पड़ोसियों के हवाले से पांडेय ने बताया कि मृत युवक वीरेंद्र और सैदपुर गांव की रहने वाली उसकी प्रेमिका वर्षा के बीच शाम करीब पांच बजे काफी झगड़ा हुआ था। कुछ देर बाद युवती पुलिस में झगड़े की सूचना देने की बात कहकर मकान में बाहर से ताला बंद कर कहीं चली गयी। एसएचओ ने बताया कि करीब आठ बजे जब वीरेंद्र की मां घर लौटकर आयी, तब खून से लथपथ पड़े बेटे का शव देखकर पुलिस को सूचित किया। उन्होंने ने बताया कि शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है और फरार युवती की तलाश की जा रही है।

पडोसियों के मुताबिक घटना के पहले शाम 5 बजे दोनों में हुआ था काफी झगड़ा

उत्तरप्रदेश में तो बीजेपी के ही साथ हैं ब्राह्मण, पिछड़ा और दलित!

लखनऊ(एजेसी)। उत्तर प्रदेश की 7 विधानसभा सीटों पर हुए उपचुनाव में सत्तारूढ़ बीजेपी की बंपर जीत ने यह भी संदेश दिया कि योगी सरकार के साढ़े तीन साल के कार्यकाल के बावजूद कोई भी सत्ता विरोधी लहर नहीं है। योगी सरकार ने उन सवालों का भी जवाब दिया जिसे लेकर विपक्ष मुखर था और सरकार की उलटी गिनती के दावे कर रहा था।

दरअसल, उपचुनाव से पहले समाजवादी पार्टी, कांग्रेस और बसपा बिकरू, प्रयागराज और हाथरस की घटनाओं को लेकर योगी सरकार पर हमलावर थे। विकास दुबे के एनकाउंटर पर सरकार को ब्राह्मण विरोधी बता दिया गया। विपक्ष का दावा था कि इस सरकार में ब्राह्मणों पर अत्याचार हो रहा है। हाथरस की घटना पर दलितों के साथ सवर्णों के अत्याचार से जोड़कर विपक्ष ने कहा कि सरकार से जनता का भरोसा उठ गया है। बलिया में कोटे की दुकान को लेकर हुई हिंसा के बाद भी विपक्ष का दावा था कि पिछड़ा वर्ग अब उससे नाराज है। उपचुनाव के नतीजे सामने आए तो ऐसा कुछ भी नजर नहीं आया। बीजेपी ने न सिर्फ अपनी सभी सीटों पर जीत दर्ज की बल्कि कुछ सीटों पर पहले से भी ज्यादा वोट प्राप्त किए। ब्राह्मणों के बीजेपी के साथ ही बने रहने का एक सबूत यह भी है कि देवरिया सीट पर सभी दलों ने ब्राह्मण प्रत्याशी ही मैदान में उतारा था। बावजूद इसके बीजेपी के नए चेहरे डॉ सत्यप्रकाश मणि त्रिपाठी ने समाजवादी पार्टी के ब्रह्माशंकर त्रिपाठी को भारी मतों से हरा दिया। यह भी एक संकेत है कि ब्राह्मण अभी भी बीजेपी के साथ बना हुआ है। समाजवादी पार्टी का कहना है कि बीजेपी ने सरकारी मशीनरी का दुरुपयोग कर उपचुनाव जीता है। राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने चुनाव में धांधली का आरोप लगाते हुए कहा कि कई बूथों पर पुलिस ने 5 बजे से पहले ही मतदान बंद करवा दिया था। इससे बीजेपी का असली चेहरा सामने आ गया है।

विपक्ष मुखर होकर कर रहा था योगी सरकार की उलटी गिनती के दावे

कांग्रेस ने स्वीकारी हार,कहा– सपा से बेहतर रहा हमारा प्रदर्शन

लखनऊ(एजेसी)। उत्तरप्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में बीजेपी ने विधानसभा उपचुनाव की 7 में से 6 सीटों पर एक बार फिर से शानदार जीत दर्ज कर सपा, बसपा और कांग्रेस जैसे विपक्षियों को चाकों खाने चित कर दिया है। हालांकि इस दौरान सपा 1 सीट जीतने में कामयाब रही। वहीं बसपा और चुनाव से पहले 2 सीटों को जोर–शोर से जीतने का दावा करने वाली कांग्रेस एक भी सीट नही जीत सकी है। अब इन परिणामो के बाद कांग्रेस ने अपनी हार को स्वीकारते हुए जनता के जनादेश का सम्मान किये जाने की बात कही है। वही इस चुनाव मे एक भी सीट न जीत पाने के बावजूद कांग्रेस द्वारा प्रदेश की मुख्य विपक्षी पार्टी सपा से बेहतर प्रदर्शन की बात करते हुए चुनाव में मिली हार से सबक लेते हुए 2022 में और भी बेहतर प्रदर्शन किए जाने का दावा किया है।

दरअसल, यूपी में 403 सदस्यों वाली विधानसभा की 7 रिक्त सीटों पर हुए उपचुनाव में बसपा और कांग्रेस काफी कोशिशों के बावजूद एक भी सीट नहीं जीत सकी। वैसे कांग्रेस का इस चुनाव में मत–प्रतिशत बढ़ा है। यही नहीं बांगरमऊ और घाटमपुर में दूसरे नंबर पर रही। पार्टी इससे उत्साहित है और इस उपचुनाव में सपा से भी बेहतर प्रर्दशन किए जाने का दावा कर रही है।

हार से सबक लेते हुए 2022 में और बेहतर प्रदर्शन किए जाने का दावा

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू ने कहा, ये लोकतंत्र है, जनता के जनाधार का हम सम्मान करते हैं। लेकिन हमने बहुत अच्छी लड़ाई लड़ी है। हमारा मत–प्रतिशत पहले के अपेक्षाकृत काफी बढ़ा है। हम 2 सीटों पर दूसरे स्थान पर और 1 सीट पर तीसरे स्थान पर रहे हैं। हमारा प्रदर्शन प्रदेश की मुख्य विपक्षी पार्टी कही जाने वाली समाजवादी पार्टी से बेहतर रहा है, जिसके 45 विधायक हैं, 2012 से 17 तक जिनकी सरकार रही, जिनके मुखिया मुख्यमंत्री थे। उन्होंने कहा कि ये साबित करता है कि आज विपक्ष में सिर्फ कांग्रेस है।

प्रेम प्रसंग को लेकर हुई थी लाइनमैन धर्मेन्द्र की हत्या महिला सहित तीन गिरतार, एसपी ने किया घटना का खुलासा

बाराबंकी (एजेसी)। पुलिस द्वारा लाइन मैन हत्याकांड का खुलासा किया। प्रेम प्रसंग को लेकर लाइन मैन की हत्या हुई थी पुलिस ने तीन अभियुक्त को किया गिरतार।

थाना टिकैतनगर क्षेत्र के ग्राम चिर्रा स्थित तालाब में एक अज्ञात सव मिला पास में मोटरसाइकिल पड़ी हुई मिली थी प्रयास कर शव की शिनाख्त की गई वह सब ध र्मेंद्र पुत्र जंग बहादुर निवासी मेहंदीपुर थाना टिकटनगर की थी जो प्राइवेट लाइनमैन का कार्य करता था मृतक धर्मेंद्र के पिता जंग बहादुर की लिखित तहरीर पर थाना टिकैतनगर में धारा 302 बनाम ज्ञात पंजीकृत कर पुलिस द्वारा विवेचना प्रारंभ की गई।

पुलिस अधीक्षक डॉ अरविन्द चतुर्वेदी ने प्रेसवार्ता के दौरान बताया कि मृतक की कॉल डिटेल वा उपलब्ध अन्य साक्ष्यों के आधार पर यह बात प्रकाश में आई कि धर्मेंद्र की मौसी की लड़की का प्रेम संबंध गांव के ही शाहिद पुत्र पुत्तन के साथ था लड़की के घर धर्मेंद्र का आना जाना था धर्मेंद्र लड़की को फोन भी दिया था तथा धर्मेंद्र लड़की को फोन भी किया करता था जिसमें शाहिद को आपत्ति भी शाहिद ने कई बार लड़की के फोन मैं धर्मेंद्र का नंबर ब्लॉक किया था शाहिद वह लड़की ने योजनाबद्ध तरीके से धर्मेंद्र को ग्राम खजुरी में आम के बाग में मिलने बुलाया जहां लड़की शाहिद शाहिद के दो अन्य साथी नूर मोहम्मद पुत्र मोहम्मद असलम नक्कू पुत्र हीरालाल निवासी गढ़ ग्राम चिर्रा थाना टिकैतनगर पहले से मौजूद थे धर्मेंद्र अपनी मोटरसाइकिल से वहां पहुंचा तो पहुंचते ही तीनों ने बांस के डंडे से सर पर कई प्रहार किए जिसमें धर्मेंद्र गिर गया।

जिसके बाद धर्मेंद्र की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई।

हत्या करने के बाद हत्यारो ने हत्या में इस्तेमाल किये गये खून से सने लाठी व बास को घटना स्थल से दूर खेत में ले जाकर जला दिया।

तथा नूर मोहम्मद ने धर्मेंद्र के शव को दूर तालाब में डाल दिया ताकि किसी को कुछ पता ना चल सके घटना के अनावरण हेतु पुलिस अधीक्षक के निर्देश में अपर पुलिस अधीक्षक दक्षिणी के कुशल मार्गदर्शन में क्षेत्राधिकारी रामसनेहीघाट की पर्यवेक्षण में उन निरीक्षक आलोक कुमार वर्मा के नेतृत्व में लगाई गई पुलिस टीम ने घटना का सफल करते हुए घटना में शामिल निशा पुत्री राम चेला शाहिद उर्फ बाबा पुत्र पुत्र निवासी गढ़ ग्राम खजूरी थाना टिकैतनगर वन नको पुत्र हीरालाल निवासी जिला थाना टिकैतनगर की गिरतारी की तथा इनकी निशानदेही पर चलाए गए डंडे इराक की ब्राम्ही भी किया गया।

जिसे परीक्षण हेतु भेजा गया उक्त घटना के सफल से क्षेत्र की जनता में पुलिस के प्रति विश्वास और सम्मान में काफी वृद्धि हुई है पुलिस अधीक्षक द्वारा पुलिस टीम को उत्साहवर्धन किया।

क्रांति समय फाउंडेशन (NGO)

ईंट-भट्ठे पर मजदूरों को बंधक बनाकर डकैती, दो किशोरियों संग दुष्कर्म

गोरखपुर (एजेसी)। जिले के गगहा थाना क्षेत्र के नगवां गांव में रामकृपाल मिश्रा के ईंट भट्ठे पर मंगलवार की रात एक बजे के करीब असलहों से लैस डकैतों ने जमकर तांडव किया। बदमाषों ने भट्ठे पर परिवार के साथ रहने वाले मजदूरों को एक झोपड़ी में बंधक बना लिया और उनके 76 हजार तीन सौ रुपये, नौ मोबाइल व गहने लूटकर फरार हो गए। इस दौरान दो बदमाशों ने दो 14 और 17 साल की किशोरी के साथ दुष्कर्म भी किया। पुलिस ने ईंट भट्ठा मालिक की तहरीर पर घर में घुसकर डकैती, दुष्कर्म, छेड़खानी और पॉक्सो एक्ट की धाराओं में केस दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी है।

जानकारी के मुताबिक, ईंट भट्ठे पर झारखंड से मजदूर आकर अपने परिवार के साथ रहते है और ईंट बनाने का काम करते हैं। रामकृपाल के विजय ब्रिक्स फिल्ड नाम के भट्ठे पर भी कई परिवार के करीब 31 लोग झोपड़ी डालकर रहते है और वहीं पर काम करते हैं। रोज की तरह काम करने के बाद मंगलवार को सभी परिवार के लोग अपनी–अपनी झोपड़ी में मौजूद थे। रात एक बजे के करीब 10 से 12 की संख्या में आए बदमाशों ने धावा बोल दिया और सबको असलहे के बल पर बंधक बनाकर एक जगह कर दिया। इस दौरान एक बदमाश ने सबसे पहले सबका मोबाइल ले लिया। बदमाश मोबाइल लेने के बाद गहने उतरवा लिए और सबके पास रखे अलग–अलग रुपयों को भी लूट लिया। इस दौरान अंधेरे का फायदा उठाकर दो बदमाशों ने दो किशोरियों को बंधक बना. कर उनके साथ दुष्कर्म किया।

घटना से सहमे मजदूर सुबह होने का इंतजार करते रहे और फिर मालिक को इस घटना की जानकारी दी। जानकारी होने के बाद भट्ठा मालिक ने पुलिस को सूचना दी।

अयोध्या के दीपोत्सव कार्यक्रम में बदलाव, 13 नवंबर को राम की पैड़ी पर दीपोत्सव होगा

अयोध्या (एजेसी)। भगवान राम की नगरी अयोध्या के दीपोत्सव कार्यक्रम में बदलाव हुआ है। बदलाव के तहत 12 नवंबर को भगवान राम के आने का उल्लास मनेगा, वहीं 13 नवंबर को अयोध्या की राम की पैड़ी पर दीपोत्सव होगा।

राम जन्मभूमि परिसर में पहली बार चार हजार दीपक जलाए जाएंगे।

वहीं, राम की पैड़ी पर साढे पांच लाख दीपक जलाकर नया वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाने की तैयारी है। दीपोत्सव कार्यक्रम के दौरान राम की पैड़ी पर राम मंदिर और महिला सशक्तिकरण को प्रदर्शित करते रेखा चित्र दिखाई देने वाले है। दीपावली के दिन पूरी अयोध्या को रोशनी से जगमगाने की तैयारी है। मुख्यमंत्री योगी ने ट्वीट करके कहा कि अयोध्या में दीपावली पर संपन्न होने वाले 'दीपोत्सव–2020' को भव्य स्वरूप प्रदान किया जाएगा। सीएम ऑफिस से ट्वीट में कहा गया कि अत्याधुनिक तकनीक पर आधारित 'लेजर शो' के माध्यम से भगवान श्री राम के अयोध्या आगमन का चित्रण किया जाएगा।

आगमन के पश्चात नगरवासियों द्वारा उनके स्वागत में प्रज्ज्वलित किए गए दीपों की जगमगाहट के साथ ही उनकी प्रसन्नता और प्रभु श्री राम के स्वागत में किए गए आयोजन को भी दर्शाएगा। इस वर्ष आयोजित होने वाले लेजर शो में जहां एक ओर प्रभु श्री राम की स्तुति 'श्री रामचन्द्र कृपालु भजमन' पृष्ठभूमि में सुनने को मिलेगी।

वहीं लेजर द्वारा वर्चुअल आतिशबाजी का कार्यक्रम 'दीपोत्सव–2020' एक प्रमुख आकर्षण होगा।

हत्या का खुलासा करते पुलिस अधिकारी

पत्नी से प्रेम सबंधों के चलते मालिक ने की मजदूर की हत्या

अलीगढ़ (एजेसी)। थाना इगलास पुलिस द्वारा हत्या में वांछित आरोपी को गिरफ्तार कर हत्या में प्रयुक्त आलाकत्ल एक बांका व बाइक बरामद करने में सफलता हासिल की है।

प्रभारी निरीक्षक इगलास प्रदीप कुमार द्वारा मय पुलिस टीम द्वारा हत्या के मामले में वांछित जितेन्द्र पुत्र महेन्द्र सिंह उर्फ पपिया निवासी दातऊ की नगरिया थाना इगलास, को अलीगढ़–मथुरा रोड़ से गोरई जाने वाले रोड के मोड पर मय पल्सर बाइक के साथ गिरफ्तार किया है।

पुलिस पूछताछ में उसने बताया कि साहब हमारे यहाँ शकील खा कई वर्ष से मजदूरी करने आता था। तथा कई बार उसे बुलाने वह उसके घर गया था इसी दौराने आने जाने मे इसके घरवालों व उसकी पत्नी से जान पहचान हो गयी । और धीरे धीरे उसकी पत्नी के प्रति प्रेम हो गया । फिर वह उससे फोन पर बात करने लगा वह भी उससे बात करने लगी और पिछले डेढ वर्ष से मेरे उससे सम्बन्ध चल रहे थे । दो तीन माह से शकील व उसके घरवालो को उसकी पत्नी के सम्बन्धों का पता चल गया जिससे उसके घर मे झगडा होने लगा । मेरा भी उसके घर आना जाना बन्द हो गया । लेकिन फिर भी वह शकील खान की पत्नी से फोन पर अक्सर बाते करता रहा । शकील खान के घर मे मेरे व उसकी पत्नी के सम्बन्धों को लेकर एक दिन अधिक झगडा होने पर उसकी पत्नी ने मुझसे मिलने व फोन से बात करने के लिये बिल्कुल मना कर दिया तथा शकील खान ने कहा कि आज से तुम्हारा हमारा कोई मतलब नही रहा । अब तुम मुझे व मेरे घरवालो को फोन नही करोगे । इस बात से मुझे बहुत गुस्सा आया । क्योंकि वह उसकी पत्नी से बहुत अधिक प्यार करने लगा था ।

इसके बाद शकील खान को रास्ते से हटाने की मन में ठान ली । इसके बाद शकील खान से एक दिन फोन पर बात की कि अब मेरा उसकी पत्नी से कोई सम्बन्ध नहीं और तुम मजदूरी करने आ जाया करो ।

इस बात पर शकील भी सहमत हो गया था । तथा 26 अक्टूबर को शाम शकील खान को फोन करके जटवार में मिलने को कहा तथा कहा कि मेरे एक दोस्त के यहाँ टेटी गाँव मे दस्ठोन है वहाँ दावत मे चलना है ।

जितेन्द्र की सूचना पर शकील खान जटवार आ गया,जहाँ से उसे अपनी मोटर साईकिल पल्सर पर बैठाकर चल दिया ।

रास्ते मे करारी गाँव के शराब के ठेके से 06 पव्वा देशी शराब व 10 अण्डे व दो पानी की बोतल ली वहाँ से आगे चलकर ग्राम हरनोल नाला की पटरी पर मोटर साइकिल रोककर शकील से कहा कि टेटी गाँव थोडी दूर रहा गया है । यही पर शराब पीकर चलते है। फिर हम दोनो ने वही बैठ कर शराब पीने लगे। शकील खान को ज्यादा शराब पिलाई जिससे वह जल्दी ही बहकने लगा और वह उठकर चलने की हालत मे नही रहा। तब उसने अपने फैंट मे छिपाये हुये बांके को निकालकर उसके सिर पर 02 वार किये और यकीन हो गया कि वह मर गया। तो जितेन्द्र ने उसे नाला के पुल से नीचे डाल दिया और वह बांका वही नाला की पटरी पर खडी झाडियो मे फैंक दिया था । उसके बाद जितेन्द्र अपनी मोटर साईकिल से अपने घर आ गया था ।

अगले दिन शकील खान के घरवालो ने मुझसे शकील के बारे मे पूछा तो उसने कोई जानकारी होने से मना कर दिया था ।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

हिन्दू धर्म में धनवंतरी देवताओं के वैद्य माने गए हैं। धनवंतरी महान चिकित्सक थे। हिन्दू धार्मिक मान्यताओं के अनुसार धनवंतरी भगवान विष्णु के अवतार समझे गए हैं। समुद्र मंथन के दौरान धनवंतरी का पृथ्वी लोक में अवतरण हुआ था। शरद पूर्णिमा को चंद्रमा, कार्तिक द्वादशी को कामधेनु गाय, त्रयोदशी को धन्वंतरी, चतुर्दशी को काली माता और अमावस्या को भगवती लक्ष्मी जी का सागर से प्रादुर्भाव हुआ था। इसीलिए दीपावली के दो दिन पूर्व धनतेरस को भगवान धनवंतरी का जन्म धनतेरस के रूप में मनाया जाता है।

आज ही के दिन आयुर्वेदिक चिकित्सा पद्धति के जन्मदाता धन्वन्तरि वैद्य समुद्र से अमृत कलश लेकर प्रगट हुए थे, इसलिए धनतेरस को धन्वन्तरि जयन्ती भी कहते हैं। इसीलिए वैद्य-हकीम और ब्राह्मण समाज आज धन्वन्तरि भगवान का पूजन कर धन्वन्तरि जयन्ती मनाता है।

भगवान धनवंतरी व यम पूजन का दिन

धनतेरस

कार्तिक मास की कृष्ण त्रयोदशी को धनतेरस कहते हैं। यह त्योहार दीपावली आने की पूर्व सूचना देता है। इस दिन नए बर्तन खरीदना शुभ माना जाता है। धनतेरस के दिन मृत्यु के देवता यमराज और भगवान धनवंतरी की पूजा का महत्व है।

क्यों मनाया जाता है धनतेरस

भारतीय संस्कृति में स्वास्थ्य का स्थान धन से ऊपर माना जाता रहा है। यह कहावत आज भी प्रचलित है कि पहला सुख निरोगी काया, दूजा सुख घर में माया इसलिए दीपावली में सबसे पहले धनतेरस को महत्व दिया जाता है। जो भारतीय संस्कृति के हिसाब से बिल्कुल अनुकूल है। शास्त्रों में वर्णित कथाओं के अनुसार समुद्र मंथन के दौरान कार्तिक कृष्ण त्रयोदशी के दिन भगवान धनवंतरी अपने हाथों में अमृत कलश लेकर प्रकट हुए। मान्यता है कि भगवान धनवंतरी विष्णु के अंशावतार हैं। संसार में चिकित्सा विज्ञान के विस्तार और प्रसार के लिए ही भगवान विष्णु ने धनवंतरी का अवतार लिया था। भगवान धनवंतरी के प्रकट होने के उपलक्ष्य में ही धनतेरस का त्योहार मनाया जाता है।

धनतेरस की कथा

धनतेरस से जुड़ी कथा है कि कार्तिक कृष्ण त्रयोदशी के दिन देवताओं के कार्य में बाधा डालने के कारण भगवान विष्णु ने असुरों के गुरु शुक्राचार्य की एक आंख फोड़ दी थी। कथा के अनुसार, देवताओं को राजा बलि के भय से मुक्ति दिलाने के लिए भगवान विष्णु ने वामन अवतार लिया और राजा बलि के यज्ञ स्थल पर पहुंच गए।

शुक्राचार्य ने वामन रूप में भी भगवान विष्णु को पहचान लिया और राजा बलि से आग्रह किया कि वामन कुछ भी मांगे उन्हें इंकार कर देना। वामन साक्षात भगवान विष्णु हैं जो देवताओं की सहायता के लिए तुमसे सब कुछ छीनने आए हैं। बलि ने शुक्राचार्य की बात नहीं मानी। वामन भगवान द्वारा मांगी गई तीन पग भूमि, दान करने के लिए कमंडल से जल लेकर संकल्प लेने लगे। बलि को दान करने से रोकने के लिए शुक्राचार्य राजा बलि के कमंडल में लघु रूप धारण करके प्रवेश कर गए। इससे कमंडल से जल निकलने का मार्ग बंद हो गया। वामन भगवान शुक्रचार्य की चाल को समझ गए। भगवान वामन ने अपने हाथ में रखे हुए कुशा को कमण्डल में ऐसे रखा कि शुक्राचार्य की एक आंख फूट गई। शुक्राचार्य छटपटाकर कमण्डल से निकल आए।

इसके बाद बलि ने तीन पग भूमि दान करने का संकल्प ले लिया। तब भगवान वामन ने अपने एक पैर से संपूर्ण पृथ्वी को नाप लिया और दूसरे पग से अंतरिक्ष को। तीसरा पग रखने के लिए कोई स्थान नहीं होने पर बलि ने अपना सिर वामन भगवान के चरणों में रख दिया।

बलि दान में अपना सब कुछ गंवा बैठा। इस तरह बलि के भय से देवताओं को मुक्ति मिली और बलि ने जो धन-संपत्ति देवताओं से छीन ली थी उससे कई गुणा धन-संपत्ति देवताओं को मिल गई। इस उपलक्ष्य में भी धनतेरस का त्योहार मनाया जाता है।

क्या खास करें इस दिन

इस दिन अपने सामर्थ अनुसार किसी भी रूप में चांदी एवं अन्य धातु खरीदना अति शुभ है। धन संपत्ति की प्राप्ति हेतु कुबेर देवता के लिए घर के पूजा स्थल पर दीप दान करें एवं मृत्यु देवता यमराज के लिए मुख्य द्वार पर भी दीप दान करें।

क्यों मनाई जाती है धनतेरस

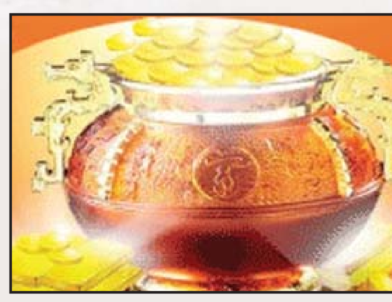

धनतेरस, धनवंतरी त्रयोदशी या धन त्रयोदशी दीपावली से पूर्व मनाया जाना महत्वपूर्ण पर्व है। इस दिन आरोग्य के देवता धनवंतरी, मृत्यु के अधिपति यम, वास्तविक धन संपदा की अधिष्ठात्री देवी लक्ष्मी तथा वैभव के स्वामी कुबेर की पूजा की जाती है। इस त्योहार को मनाए जाने के पीछे मान्यता है कि लक्ष्मी के आह्वान के पहले आरोग्य की प्राप्ति और यम को प्रसन्न करने के लिए कर्मों का शुद्धिकरण अत्यंत आवश्यक है।

- कुबेर भी आसुरी प्रवृत्तियों का हरण करने वाले देव हैं।
- धनवंतरी और मां लक्ष्मी का अवतरण समुद्र मंथन से हुआ था। दोनों ही कलश लेकर अवतरित हुए थे।
- श्री सूक्त में लक्ष्मी के स्वरूपों का विवरण कुछ इस प्रकार मिलता है।
  धनमग्नि, धनम वायु, धनम सूर्यो धनम वसु
  अर्थात् प्रकृति ही लक्ष्मी है और प्रकृति की रक्षा करके मनुष्य स्वयं के लिए ही नहीं, अपितु निःस्वार्थ होकर पूरे समाज के लिए लक्ष्मी का सृजन कर सकता है।
- श्री सूक्त में आगे यह भी लिखा गया है- 'न क्रोधो न मात्सर्यम न लोभो ना अशुभा मति'
  तात्पर्य यह कि जहां क्रोध और किसी के प्रति द्वेष की भावना होगी, वहां मन की शुभता में कमी आएगी, जिससे वास्तविक लक्ष्मी की प्राप्ति में बाधा उत्पन्न होगी। यानी किसी भी प्रकार की मानसिक विकृतियां लक्ष्मी की प्राप्ति में बाधक हैं।
- आचार्य धनवंतरी के बताए गए मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य संबंधी उपाय अपनाना ही धनतेरस का प्रयोजन है।
- श्री सूक्त में वर्णन है कि, लक्ष्मी जी भय और शोक से मुक्ति दिलाती हैं तथा धन-धान्य और अन्य सुविधाओं से युक्त करके मनुष्य को निरोगी काया और लंबी आयु देती हैं।

छोटी दीपावली-नरक चतुर्दशी

कार्तिक माह के कृष्णपक्ष की चतुर्दशी को नरक चतुर्दशी के नाम से जाना जाता है. नरक चतुर्दशी को नरक चौदस, रुप चौदस, रूप चतुर्दशी, नर्क चतुर्दशी या नरका पूजा के नाम से भी जानते हैं. मान्यता है कि कार्तिक कृष्ण चतुर्दशी के दिन मुख्य रूप से मृत्यु के देवता यमराज की पूजा का विधान है.

नरक चतुर्दशी को छोटी दीपावली भी कहा जाता है. दीपावली से एक दिन पहले मनाई जाने वाली नरक चतुर्दशी के दिन संध्या के पश्चात दीपक प्रज्जवलित किए जाते हैं. नरक चतुर्दशी का पूजन कर अकाल मृत्यु से मुक्ति तथा स्वास्थ्य सुरक्षा के लिए यमराज जी की पूजा उपासना की जाती है. इस रात्रि के पूजन एवं दीप जलाने की प्रथा के संदर्भ में पौराणिक कथाएं तथा कुछ लोक मान्यताएं प्रचलित हैं जो इस पर्व के महत्व को परिलक्षित हैं.

नरक चतुर्दशी पर्व से जुड़ीं कथाएं

नरक चतुर्दशी के पर्व के साथ अनेक पौराणिक कथाएं प्रचलित हैं. एक पौराणिक कथा के अनुसार रन्ति देव नामक एक राजा हुए थे. वह बहुत ही पुण्यात्मा और धर्मात्मा पुरूष थे सदैव धर्म कर्म के कार्यों में लगे रहते थे. जब उनका अंतिम समय आया तो यमराज के दूत उन्हें लेने के लिए आते हैं. और राजा को नरक में ले जाने के लिए आगे बढते हैं. यमदूतों को देख कर राजा आश्चर्य चकित हो उनसे पूछते हैं कि मैंने तो कभी कोई अधर्म या पाप नहीं किया है तो फिर आप लोग मुझे नर्क में क्यों भेज रहे हैं. कृपा कर मुझे मेरा अपराध बताएं जिस कारण मुझे नरक का भागी होना पड़ रहा है. राजा की करूणा भरी वाणी सुनकर यमदूत उनसे कहते हैं कि, हे राजन एक बार तुम्हारे द्वार से एक ब्राह्मण भूखा ही लौट गया जिस कारण तुम्हें नरक जाना पड़ रहा है. यह सुनकर राजा यमदूतों से विनती करते हुए कहते हैं कि वह उसे एक वर्ष का और समय देने की कृपा करें. राजा का कथन सुनकर यमदूत विचार करने लगते हैं और राजा की आयु एक वर्ष बढ़ा देते हैं. यमदूतों के जाने पर राजा इस समस्या के निदान के लिए ॠषियों के पास जाता हैं, उन्हें सारा वृतान्त सुनाता है. ॠषि राजा से कहते हैं कि यदि राजन कार्तिक मास की कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी का व्रत करें. ब्रह्मणों को भोजन करवा कर उनसे अपने अपराधों के लिए क्षमा याचना करें तो वह इस पाप से मुक्त हो सकते हैं. ॠषियों के कथन अनुसार राजा कार्तिक माह की कृष्ण चतुर्दशी का व्रत करता है और इस प्रकार राजा पाप मुक्त हो कर विष्णु लोक में स्थान पाता है. तभी से पापों एवं नर्क से मुक्ति हेतु कार्तिक चतुर्दशी व्रत प्रचलित है. एक अन्य कथा अनुसार, भगवान श्रीकृष्ण ने कार्तिक माह को कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी के दिन नरकासुर का वध करके, देवताओं व ॠषियों को उसके आतंक से मुक्ति दिलवाई थी. इसके साथ ही साथ श्री कृष्ण भगवान ने सोलह हजार कन्याओं को नरकासुर के बंदी गृह से मुक्त करवाया था. इस उपलक्ष पर नगर वासियों ने नगर को दीपों से प्रकाशित किया और उत्सव मनाया तभी से नरक चतुर्दशी का त्यौहार मनाया जाने लगा.

रूप चतुर्दशी

नरक चतुर्दशी को रूप चतुर्दशी भी कहते हैं. रूप चतुर्दशी के दिन भगवान श्रीकृष्ण की पूजा करनी चाहिए ऐसा करने से रूप सौंदर्य की प्राप्ति होती है. रूप चतुर्दशी से संबंधित एक कथा भी प्रचलित है मान्यता है कि प्राचीन समय पहले हिरण्यगर्भ नामक राज्य में एक योगी रहा करते थे. एक बार योगीराज ने प्रभु को पाने की इच्छा से समाधि धारण करने का प्रयास किया. अपनी इस तपस्या के दौरान उन्हें अनेक कष्टों का सामना करना पड़ा. उनकी देह पर कीड़े पड़ गए, बालों, रोओं और भौंहों पर जुएँ पैदा हो गई. अपनी इतनी विभत्स दशा के कारण वह बहुत दुखी होते हैं. तभी विचरण करते हुए नारद जी उन योगी राज जी के पास आते हैं और उन योगीराज से उनके दुख का कारण पूछते हैं. योगीराज उनसे कहते हैं कि, हे मुनिवर मैं प्रभु को पाने के लिए उनकी भक्ति में लीन रहा परंतु मुझे इस कारण अनेक कष्ट हुए हैं ऐसा क्यों हुआ? योगी के करूणा भरे वचन सुनकर नारदजी उनसे कहते हैं, हे योगीराज तुमने मार्ग तो उचित अपनाया किंतु देह आचार का पालन नहीं जान पाए इस कारण तुम्हारी यह दशा हुई है. नारद जी के कथन को सुन, योगीराज उनसे देह आचार के विषय में पूछते हैं इस पर नारदजी उन्हें कहते हैं कि सर्वप्रथम आप कार्तिक कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी के दिन व्रत रखकर भगवान की पूजा अराधना करें क्योंकि ऐसा करने से आपका शरीर पुनः पहले जैसा स्वस्थ और रूपवान हो जाएगा. तब आप मेरे द्वारा बताए गए देह आचार को कर सकेंगे. नारद जी के वचन सुन योगीराज ने वैसा ही किया और उस व्रत के फलस्वरूप उनका शरीर पहले जैसा स्वस्थ एवं सुंदर हो गया. अतः तभी से इस चतुर्दशी को रूप चतुर्दशी के नाम से जाना जाने लगा.

नरक चतुर्दशी पूजा विधि

नरक चतुर्दशी के दिन सुबह के समय आटा, तेल और हल्दी को मिलाकर उबटन तैयार किया जाता है. इस उबटन को शरीर पर लगाकर, अपामार्ग (चिचड़ी) की पत्तियों को जल में डालकर स्नान करते हैं. इस दिन विशेष पूजा की जाती है जो इस प्रकार होती है, सर्वप्रथम एक थाल को सजाकर उसमें एक चौमुख दिया जलाते हैं तथा सोलह छोटे दीप और जलाएं तत्पश्चात रोली खीर, गुड़, अबीर, गुलाल, तथा फूल इत्यादि से ईष्ट देव की पूजा करें. इसके बाद अपने कार्य स्थान की पूजा करें. पूजा के बाद सभी दीयों को घर के अलग अलग स्थानों पर रख दें तथा गणेश एवं लक्ष्मी के आगे धूप दीप जलाएं. इसके पश्चात संध्या समय दीपदान करते हैं जो यम देवता, यमराज के लिए किया जाता है. विधि-विधान से पूजा करने पर व्यक्ति सभी पापों से मुक्त हो प्रभु को पाता है.

अकाल मृत्यु से रक्षा करता है

धनतेरस का दीपदान

धनतेरस के दिन खरीदारी में इतने व्यस्त न हो जाएं कि शाम के समय दीपदान करना भूल जाएं। धनतेरस की शाम में दीपदान का बड़ा ही महत्व है। शास्त्रों में बताया गया है कि धनतेरस के दिन संध्या के समय दीपदान जरूर करना चाहिए। इससे यमराज प्रसन्न होते हैं और अकाल मृत्यु से बचाव होता है।

इस संदर्भ में कथा है कि, एक बार यमराज ने यमदूतों से कहा लोगों के प्राण हरते समय तुम्हें कभी दुःख हुआ है अथवा नहीं। इस पर यमदूत ने कहा कि एक बार एक राजकुमार के प्राण हरते समय हमें बहुत दुःख हुआ था। राजकुमार की शादी के चार ही दिन हुए थे। राजकुमार की मृत्यु से राजमहल में चित्कार और हाहाकार मच गयी। नववधू का विलाप देखकर हमारा हृदय हमें धिक्कारने लगा। इसके बाद यमदूतों ने यमराज से पूछा कि हे यमदेव कोई ऐसा उपाय नहीं है जिससे प्राणी की अकाल मृत्यु न हो। यमराज ने कहा कि जो व्यक्ति धनतेरस के दिन मेरे नाम से दीप जलाकर मुझे स्मरण करेगा उसे अकाल मृत्यु का भय नहीं सताएगा। यमदीप के संदर्भ में एक अन्य कथा भी प्रचलित है कि, प्राचीन काल में एक हिम नामक राजा हुए। विवाह के कई वर्षों बाद इन्हें पुत्र की प्राप्ति हुई। ज्योतिषियों ने जब राजकुमार की कुण्डली देखी तो कहा कि विवाह के चौथे दिन राजकुमार की मृत्यु हो जाएगी। राजा रानी इस बात को सुनकर दुःखी हो गये। समय बितता गया और राजकुमार की शादी हो गयी। विवाह का चौथा दिन भी आ गया। राजकुमार की मृत्यु होने के भय से सभी लोग सहमे हुए थे। लेकिन राजकुमार की पत्नी चिंता मुक्त थी। उसे मां लक्ष्मी की भक्ति पर पूरा विश्वास था। शाम होने पर राजकुमार की पत्नी ने पूरे महल को दीपों से सजा दिया। इसके बाद मां लक्ष्मी के भजन गाने लगी। यमदूत जब राजकुमार के प्राण लेने आये तो मां लक्ष्मी की भक्ति में लीन राजकुमार की पतिव्रता पत्नी को देखकर महल में प्रवेश करने का साहस नहीं जुटा पाये। यमदूतों के लौट जाने पर यमराज स्वयं सर्प का रूप धारण करके महल में प्रवेश कर गये। सर्प बने यमराज जब राजकुमारी के कक्ष के समाने पहुंचे तब दीपों की रोशनी और लक्ष्मी मां की कृपा से सर्प की आंखें चौंधिया गयी और सर्प बने यमराज राजकुमारी के पास पहुंच गये। राजकुमारी के भजनों में यमराज ऐसे खोये की उन्हें पता ही नहीं चला कि कब सुबह हो गयी। राजकुमार की मृत्यु का समय गुजर जाने के बाद यमराज को खाली हाथ लौटना पड़ा और राजकुमार दीर्घायु हो गया। ऐसी मान्यता है कि इसी दिन से धनतेरस के दिन यमदीप जलाने की परंपरा शुरू हुई।

धनतेरस पर कुबेर पूजा का महत्व

भगवान कुबेर विसराव के पुत्र और ब्रह्मदेव के पोते हैं। उन्हें धनपति और स्वर्ग के बैंकर भी कहा जाता है। कुबेर भगवान के कोषाध्यक्ष हैं। भगवान कुबेर का निवास स्थान कैलाश पर्वत है। वह अष्ट दिकपाला का प्रतिनिधित्व करते हैं जो कि उत्तर दिशा में है। इसी वजह से उन्हें उत्तर दिशा के तौर पर भी जाना जाता है। हिन्दू धर्म में उन्हें राजाओं के राजा माना जाता है।

आमतौर पर उन्हें उन्हें बौना, गौरा और बड़ी-सी तोंद वाला दिखाया जाता है। उनकी तीन टांगें, आठ दांत, एक आंख है और वह हमेशा बहुत से गहने पहने रहते हैं। दूसरे शब्दों में कहा जाए तो कुबेर देवता धरती में गड़े हुए धन की रक्षा करते हैं। वह सोने, चांदी और नौ सिद्धियों के खज़ाने की रखवाली करते हैं। कुबेर के विमान का नाम पुष्पक है जिसपर सवार होकर वह पूरे विश्व का भ्रमण करते हैं। उनके पास हमेशा एक पर्स रहता है जिसमें पैसे और अन्य कीमती सामान रहता है। भगवान कुबेर की पूजा करने से घर में समृद्धि आती है।

समृद्धि प्राप्ति के लिए धनतेरस पर कुबेर पूजा कुबेर पूजा में पूरे विधि-विधान से वैदिक मंत्रों का जाप किया जाता है। यह पूजा धनतेरस के दिन की जाती है। यह पूजा गवग्रह मदिर खरगौन में भी की जाती है, अगर आप चाहें तो उसमें शामिल हो सकते हैं। यहां पर पूरे विधि-विधान से पूजा संपन्न की जाती है ताकि सभी को भगवान कुबेर का आशीर्वाद मिले और सबके जीवन में समृद्धि बनी रहे। अगर कुबेर प्रसन्न हो जाते हैं तो वह अपने भक्तों को समृद्धि का आशीर्वाद देते हैं।

कुबेर पूजा का महत्व और लाभ समृद्धि और धन प्राप्ति के लिए कुबेर की पूजा और हवन किया जाता है। जिन लोगों के जीवन में पैसे या कारोबार संबंधी परेशानी हो उन लोगों को तांत्रिक पूजन करना चाहिए। ऐसा करने से उन्हें भगवान कुबेर का आशीर्वाद प्राप्त होगा। एक पुराने, शक्तिशाली और पूरा यंत्र को कुबेर यंत्र कहा जाता है। धनतेरस के दिन इस यंत्र की पूजा करने से भी विशेष लाभ होता है। माना जाता है कि इस दिन भगवान कुबेर जल्दी प्रसन्न हो जाते हैं। कुबेर पूजा का बहुत महत्व है और इसे करने से विशेष लाभ होते हैं-

-यह पूजा करने से घर में धन-धान्य बना रहता है। -कर्ज से मुक्ति मिलती है। -गरीबी से छुटकारा मिलता है और जीवन में समृद्धि आती है। -व्यापार-कारोबार में लाभ होता है। -आपका बैंक बैलेंस बढ़ता है। -किसी भी प्रकार के श्राप से मुक्ति मिलती है।

धनतेरस से आरंभ करें मां लक्ष्मी की आराधना

धनतेरस के शुभ दिन से मां लक्ष्मी को प्रसन्न करने के उपाय किए जाने चाहिए। इसके लिए धनतेरस विशेष तंत्र पूजन का विधान शास्त्रों में मिलता है। प्रस्तुत है मंत्र-तंत्र विधि -

ऊँ ह्रीं ह्रीं ह्रीं महालक्ष्मी धनदा लक्ष्मी कुबेराय मम गृह स्थिरो ह्रीं ऊँ नमः।

विधि - सबसे पहले सामने लक्ष्मी जी का चित्र रखें तथा उनके सामने लाल रंग का वस्त्र बिछाकर उस पर दक्षिणावर्ती शंख रख दें। उस पर केसर से स्वास्तिक बना लें तथा कुमकुम से तिलक कर दें। बाद में स्फटिक की माला से मंत्र की 7 माला करें। तीन दिन तक ऐसा निरंतर करें। इतने से ही मंत्र-साधना सिद्ध हो जाती है। मंत्र जप पूरा होने के पश्चात् लाल वस्त्र में शंख को बांधकर घर में रख दें। जब तक वह शंख घर में रहेगा, तब तक घर में निरंतर उन्नति होती रहेगी।

कुबेर मंत्र के जाप से होगी लक्ष्मी प्रसन्न

कुबेर देव को धन का देवता माना जाता है। वे देवताओं के कोषाध्यक्ष हैं, इनकी कृपा से किसी को भी धन प्राप्ति के योग बन जाते हैं। कुबेर को प्रसन्न करने का सुप्रसिद्ध मंत्र इस प्रकार है-

कुबेर देव का मंत्र-

ऊँ यक्षाय कुबेराय वैश्रवणाय, धन धन्याधिपतये धन धान्य समृद्धि मे देहि दापय स्वाहा।

यह देवताओं के कोषाध्यक्ष कुबेर देव का अमोघ मंत्र है। इस मंत्र का तीन माह तक रोज 108 बार जप करें। जप करते समय अपने सामने एक कौड़ी (धनलक्ष्मी कौड़ी) रखें। तीन माह के बाद प्रयोग पूरा होने पर इस कौड़ी को अपनी तिजोरी या लॉकर में रख दें। ऐसा करने पर कुबेर देव की कृपा से आपका लॉकर कभी खाली नहीं होगा। हमेशा उसमें धन भरा रहेगा। अब मन को एकाग्र करके हनुमान चालीसा का पाठ करें। यदि हनुमान चालीसा का पूर्ण पाठ नहीं कर पा रहे हों तो इन पंक्तियों का पाठ करें-

जम कुबेर दिगपाल जहां ते।
कवि कोबिद कहि सके कहां ते।।

इन पंक्तियों के निरंतर जप से हनुमानजी तो प्रसन्न होंगे ही साथ ही यम, कुबेर आदि देवी-देवताओं की कृपा भी प्राप्त होगी।

धनतेरस पर समृद्धि देते हैं कुबेर..

समस्त धन सम्पदा और ऐश्वर्य के स्वामी कुबेर के लिए धनतेरस के दिन शाम को 13 दीप समर्पित किए जाते हैं। कुबेर भूगर्भ के स्वामी हैं। कुबेर की पूजा से मनुष्य की आंतरिक ऊर्जा जागृत होती है और धन अर्जन का मार्ग प्रशस्त होता है।

निम्न मंत्र द्वारा चंदन, धूप, दीप, नैवेद्य से पूजन करें-

कुबेर मंत्र -

ऊँ यक्षाय कुबेराय वैश्रवणाय धन-धान्य अधिपतये
धन-धान्य समृद्धि में देहि दापय स्वाहा।'

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 twitter www.twitter.com/krantisamay1

सार समाचार

अखिलेश यादव का आरोप, लोकतंत्र को 'रौंदने' में लगी है डबल इंजन की सरकार

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने बुधवार को अपनी पार्टी के कार्यकर्ताओं को आगाह करते हुए आरोप लगाया कि भाजपा की डबल इंजन सरकार लोकतंत्र को 'रौंदने' में लगी है। उन्होंने कहा, 'भारतीय जनता पार्टी की डबल इंजन सरकार लोकतंत्र को रौंदने में लगी है। मतदान में धांधली से मतदाता के अधिकार पर चोट पहुँचती है और इससे लोकतंत्र की पवित्रता नष्ट होती है। हमें इन स्थितियों के प्रति सावधान रहना है। वह यहां सपा मुख्यालय में विभिन्न जिलों से आये कार्यकर्ताओं को संबोधित कर रहे थे। यादव ने उत्तर प्रदेश के उपचुनावों में समर्थन देने वाले मतदाताओं के प्रति आभार जताया है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से संयम और निष्ठा से काम करने, समाजवादी सरकार के कामों एवं समाजवादी पार्टी की नीतियों को घर-घर पहुंचाने के लिए सक्रिय होने का आहवान किया। यादव ने कहा, पार्टी को बूथस्तर तक मजबूती देकर ही हम झूठ, फरेब और धांधली की राजनीति का मुकाबला कर सकेंगे। हमारा एजेंडा प्रदेश के सर्वतोमुखी विकास का है और इसके लिए सन् 2022 में समाजवादी सरकार बनाना आवश्यक है।

संगठन को मजबूत करने से कर्नाटक में विधानसभा उपचुनावों में भाजपा को मिली जीत

बेंगलुरु। कर्नाटक के भाजपा अध्यक्ष एन. रविकुमार ने कहा कि सिरा में जमीनी स्तर पर काम और राजराजेश्वरी (आरआर) नगर में ''मजबूत उम्मीदवार'' को उतारकर पार्टी ने दोनों विधानसभा क्षेत्रों में जीत सुनिश्चित की। दोनों विधानसभा क्षेत्रों में तीन नवंबर को हुए उपचुनाव के लिए मुख्य रणनीतिकार रहे रविकुमार ने कहा कि सिरा निर्वाचन क्षेत्र में पार्टी को जमीन से ऊपर उठना था जबकि आर आर नगर में चीजें थोड़ी आसान थी क्योंकि वहां लोग उम्मीदवार द्वारा किए गए काम से अवगत थे। सिरा में पार्टी ने पहली बार जीत हासिल की। बेंगलुरु शहरी जिले के अंतर्गत आने वाले आर आर नगर में एन मुनीरत्न ने 58,000 से ज्यादा मतों से तीसरी बार जीत हासिल की जबकि सिरा में पार्टी को पहली बार जीत मिली। सिरा में डॉ. सी. एम. राजेश गौडा ने 13,400 से मतों से अपने प्रतिद्वंद्वी को हराया।

नागालैंड सरकार ने 31 जनवरी तक पटाखों पर प्रतिबंध लगाया

कोहिमा। नगालैंड सरकार ने कोविड-19 महामारी के बीच प्रदूषण को काबू करने के मद्देनजर अगले साल 31 जनवरी तक के लिए पूरे राज्य में पटाखों पर प्रतिबंध लगा दिया है। एक आधिकारिक आदेश में यह जानकारी दी गई। मुख्य सचिव जे आलम ने मंगलवार को जारी एक अधिसूचना में कहा कि आपदा प्रबंधन अधिनियम 2005 के तहत यह प्रतिबंध लागू किया गया है। उन्होंने कहा कि राज्य में कोविड-19 मरीजों की संख्या में वृद्धि हो रही है और सर्दी के मौसम में बुजुर्गों, बच्चों और पहले से ही अन्य बीमारियों से ग्रसित लोगों को सांस लेने में परेशानी का सामना करना पड़ता है। आलम ने कहा कि पटाखे जलाने से हानिकारक रसायन निकलते हैं, जिनके चलते श्वसन संबंधी स्वास्थ्य पर गंभीर प्रभाव पड़ता है तथा ऐसे प्रदूषक कोविड-19 मरीजों के लिए और घातक साबित हो सकते हैं। उन्होंने कहा कि हानिकारक प्रभावों को ध्यान में रखते हुए राज्य सरकार ने जनहित में नगालैंड में पटाखों की बिक्री और उपयोग पर रोक लगा दी है।

जम्मू-कश्मीर बार एसोसिएशन ने वार्षिक चुनाव रद्द किये, तदर्थ समिति का गठन किया

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर उच्च न्यायालय बार एसोसिएशन (जेकेएसीबीए) ने अपने वार्षिक चुनाव बुधवार को रद्द करते हुए एक तदर्थ समिति का गठन किया है। प्रशासन ने कुछ दिन पहले बार एसोसिएशन द्वारा तब तक किसी भी तरह के चुनाव कराने पर रोक लगा दी थी, जब तक वह जम्मू-कश्मीर को विवादित क्षेत्र बताने के अपने रुख को लेकर स्पष्टीकरण न दे दे। श्रीनगर के जिला मजिस्ट्रेट शाहिद चौधरी ने सोमवार को बार एसोसिएशन के अध्यक्ष को तीन नोटिस जारी कर जम्मू-कश्मीर को विवादित क्षेत्र बताने के उसके रुख को लेकर स्पष्टीकरण मांगा था। चौधरी ने स्पष्टीकरण दिये जाने तक बार द्वारा किसी भी तरह के चुनाव कराए जाने पर रोक लगा दी थी। साथ ही उन्होंने बार एसोसिएशन के लेख और पंजीकरण पत्र समेत संबंधित दस्तावेज पेश करने के लिये कहा था। श्रीनगर जिला मजिस्ट्रेट ने भी यहां जिला अदालत परिसर में निषेधाज्ञा लागू कर दी है, जिसके चलते बार एसोसिएशन साल 2020-21 के चुनाव नहीं करा सकता।

बिहार विधानसभा चुनाव में जीत पर दलाई लामा ने दी नीतीश कुमार को बधाई

धर्मशाला (हिमाचल प्रदेश)। दलाई लामा ने बिहार विधानसभा चुनाव में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) को मिली जीत पर बुधवार को प्रदेश के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को बधाई दी। जनता दल (यूनाइटेड) के प्रमुख को लिखे पत्र में तिब्बती आध्यात्मिक नेता ने प्रार्थना की है कि बिहार के लोगों की आशाओं और आकांक्षाओं को पूरा करने में कुमार के सामने जो भी चुनौतियां आएं, वह दूर हों। उन्होंने कहा, ''मैं उनकी मित्रता का आदर करता हूं और बिहार यात्राओं, विशेष रूप से बोध गया की यात्रा के दौरान आपसे मिले आतिथ्य का भी।''

चीन से पूर्वी लद्दाख पर बिगड़ी बात सुलझ सकती है, भारत- चीन समझौते के कगार पर

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

भारत और चीन पूर्वी लद्दाख में छह महीने से चल रहे गतिरोध को सुलझाने के कगार पर पहुंच रहे हैं। इसके तहत दोनों पक्षों के बीच समयबद्ध तरीके से गतिरोध वाले सभी स्थानों से सैनिकों और हथियारों को पीछे हटाने पर व्यापक सहमति बनने की संभावना है। आधिकारिक सूत्रों ने बुधवार को इस बारे में बताया। उन्होंने बताया कि प्रस्ताव के व्यापक खाके के तहत समझौता होने पर एक दिन में सशस्त्र कर्मियों को हटाने, पूर्वी लद्दाख में पैंगोंग झील के उत्तरी और दक्षिणी किनारे के खास क्षेत्रों से सैनिकों की वापसी और दोनों पक्षों द्वारा प्रक्रिया का सत्यापन शामिल है।

वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) के भारतीय हिस्से में छह नवंबर को चुसूल में भारतीय और चीनी सेनाओं के बीच आठवें दौर की उच्च स्तरीय सैन्य वार्ता के दौरान सैनिकों को पीछे हटाने और अप्रैल से पहले की स्थिति बहाल करने के विशेष प्रस्ताव को अंतिम रूप दिया गया। सूत्रों ने बताया कि भारतीय सेना और चीन की सेना (पीएलए) कोर कमांडर स्तर पर होने वाली अगली वार्ता में समझौता पर पहुंचने की उम्मीद कर रही है। सैन्य स्तर पर नौवें दौर की वार्ता अगले कुछ दिनों में होने की संभावना है। पूर्वी लद्दाख में विभिन्न पर्वतीय क्षेत्रों में भारतीय सेना के करीब 50,000 जवान तैनात हैं क्योंकि गतिरोध सुलझाने के लिए दोनों पक्षों के बीच हुई वार्ता के अब तक ठोस परिणाम नहीं निकल सके हैं।

अधिकारियों के मुताबिक चीन ने भी इतने ही जवान तैनात किए हैं। दोनों पक्षों के बीच मई की शुरुआत में गतिरोध आरंभ हुआ था। सूत्रों ने बताया कि समझौता होने पर पहले कदम के तौर पर तीन दिनों के भीतर दोनों पक्ष टैंक, बड़े हथियारों, बख्तरबंद वाहनों को एलएसी के पास गतिरोध वाले स्थानों से पीछे के बेस में ले जाएंगे। दूसरे के कदम के तौर पर पीएलए के सैनिक पैंगोंग झील के उत्तरी किनारे पर फिंगर चार के अपने मौजूदा स्थान से फिंगर आठ क्षेत्र में चले जाएंगे जबकि भारतीय सैनिक धान सिंह थापा चौकी के करीब तैनात होंगे।

उन्होंने बताया कि सेनाओं के बीच बनी सहमति के तहत व्यापक रूप से तीन दिनों में हर दिन करीब 30 प्रतिशत सैनिकों की वापसी होगी। तीसरे चरण में पैंगोग झील के दक्षिणी किनारे पर रेजांग ला, मुखपारी और मगर पहाड़ी जैसे क्षेत्रों से सैनिक पीछे हटेंगे। भारतीय सैनिकों ने पैंगोग झील के दक्षिणी किनारे के आसपास रणनीतिक लिहाज से महत्वपूर्ण मुखपारी, रेजांग ला और मगर पहाड़ी जैसे क्षेत्रों पर कब्जा कर लिया है। एक उच्चस्तरीय सूत्र ने बताया, ''ये सब प्रस्ताव है। समझौते पर अभी दस्तखत नहीं हुआ है।'' सूत्र ने कहा कि सैनिकों के पीछे हटने की प्रक्रिया के अंतिम चरण में दोनों पक्ष विस्तृत सत्यापन करेंगे

जिसके बाद सामान्य गश्त बहाल होने की उम्मीद है।

पीएलए के साथ कोर कमांडर स्तर पर आठवें दौर की वार्ता के पहले शीर्ष सैन्य अधिकारियों ने सैनिकों के पीछे हटने और पूर्वी लद्दाख में तनाव घटाने के लिए प्रस्तावों पर विचार विमर्श किया था। 'फिंगर इलाके' में सैनिकों के पीछे हटने के प्रस्ताव का मतलब होगा कि गतिरोध के समाधान तक फिंगर चार और आठ वाले इलाके के बीच गश्त की इजाजत नहीं होगी। थल सेना प्रमुख जनरल एम एम नरवणे ने मंगलवार को कहा कि उन्हें उम्मीद है कि भारतीय और चीनी सेना पूर्वी लद्दाख में सैनिकों के पीछे हटने और तनाव घटाने के संबंध में समझौते पर पहुंचेंगे। सैन्य स्तर की अंतिम दौर की वार्ता के बाद दोनों पक्षों ने इसे ''ठोस, गहरा और रचनात्मक' बताया था।

भारत दहशतगर्दी की स्थिति से निकल कर पारदर्शिता की ओर बढ़ा है: पीएम मोदी

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपनी सरकार के पिछले छह साल में किये गये कर सुधारों का जिक्र करते हुए बुधवार को कहा कि भारत कर प्रशासन के मामले मेंदहशतगर्ती के माहौल से निकल कर अब कर पारदर्शी व्यवस्था की ओर बढ़ चुका है। ओड़िशा के कटक में आयकर अपीलीय न्यायाधिकरण के कार्यालय-सह-रिहायशी परिसर का उद्घाटन करते हुए प्रधानमंत्री ने कंपनी कर में कटौती, व्यक्तिगत करदाताओं के लिये दरों को लेकर सरल ढांचा, फेसलेस अपील (पहचान रहित) और तेजी से किये जा रहे रिफंड का उल्लेख किया।

प्रधानमंत्री ने कहा, ''पिछली सरकारों में कर-दहशतगर्दी की शिकायत आम बात थी। देश अब इसको पीछे छोड़ते हुए कर पारदर्शिता की ओर बढ़ा है।'' उन्होंने कहा, ''देश कर-दहशतगर्गी से कर पारदर्शिता की ओर बढ़ा है और यह इसीलिए संभव हुआ है क्योंकि हमने सुधार (रिफार्म), काम (परफार्म) और बदलाव (ट्रांसफार्म) की अवधारणा का अनुसरण किया।'' मोदी ने कहा कि आजादी के बाद करदाता और कर संग्रह करने वालों के बीच शोषण और शोषण के संबंधों को बदलने के लिये बहुत कुछ नहीं किया गया।

प्रधानमंत्री ने कहा कि लेकिन अब चीजें बदल रही हैं। उन्होंने'फेसलेस अपील', तेजी से जारी कर वापसी और विवाद समाधान प्रणाली का जिक्र किया। उन्होंने कहा, ''हम नियमों और प्रक्रियाओं में सुधार कर रहे हैं तथा प्रौद्योगिकी का उपयोग कर रहे हैं...कर प्रशासन में व्यापक बदलाव लाया गया है।''

प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत उन गिने-चुने देशों में है जहां करदाताओं के अधिकारों और जिम्मेदारियों को संहिताबद्ध किया गया है। ''यह करदाताओं और कर अधिकारियों के बीच भरोसा और पारदर्शिता बहाली के लिये महत्वपूर्ण कदम है।'' उन्होंने यह भी कहा कि संपत्ति सृजन करने वालों का सम्मान होना चाहिए, उनकी समस्याओं के समाधान से अर्थव्यवस्था की वृद्धि में मदद मिलेगी। मोदी ने कहा कि 99.75 प्रतिशत कर रिटर्न को बिना किसी संदेह के स्वीकार किया जाना करदाताओं के बीच भरोसा बढ़ाने की दिशा में एक कदम है।

भारत में एक्टिव लश्कर-ए-तैयबा के कटे कनेक्शन के तार, बड़ी गिरफ्तारी हुई

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन लश्कर-ए-तैयबा के पाकिस्तान स्थित आकाओं द्वारा चलाए जा रहे विभिन्न सोशल मीडिया समूहों के एक सदस्य को गिरफ्तार किया है। एक अधिकारी ने बुधवार को यह जानकारी दी। एनआईए के प्रवक्ता ने बताया कि कर्नाटक के उत्तर कन्नड़ निवासी सैयद एम इदरीस (28) को मंगलवार को गिरफ्तार किया गया है। एनआईए ने कहा कि इस संबंध में 18 मार्च को पश्चिम बंगाल में प्राथमिकी दर्ज की गई थी, जिसमें कहा गया था कि प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) के पाकिस्तान में मौजूद आका भारत में गैरकानूनी गतिविधियों को अंजाम देने और उन्हें बढ़ावा देने के लिए विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों के जरिये युवाओं को अपने स्लीपर सेल में भर्ती कर रहे हैं। प्रवक्ता ने कहा कि इदरीस, लश्कर के स्लीपर सेल के लिये युवाओं की भर्ती और आतंकवादी गतिविधियों को बढ़ावा देने के वास्ते एलईटी के पाकिस्तान स्थित आकाओं द्वारा चलाए जा रहे विभिन्न सोशल मीडिया समूहों का सदस्य था। अधिकारी ने कहा कि उसे अदालत में पेश किया जाएगा और कोलकाता में विशेष एनआईए के समक्ष पेशी के लिये उसकी ट्रांजिट रिमांड मांगी जाएगी। इस मामले में कोलकाता के निवासी तानिया परवीन के खिलाफ 10 सितंबर कोआरोप पत्र दायर किया जा चुका है। मामले की जांच जारी है।

दिल्ली सरकार ने 'रेड लाइट आन, गाड़ी आफ' अभियान 30 नवम्बर तक बढ़ाया

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

दिल्ली के पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने बुधवार को कहा कि आप सरकार ने वाहनों से होने वाले प्रदूषण को कम करने के लिए 'रेड लाइट आन, गाड़ी आफ' अभियान को 30 नवम्बर तक बढ़ाने का फैसला किया है। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने 21 अक्टूबर को इस अभियान की शुरुआत करते हुए कहा था कि यदि शहर में 10 लाख वाहन भी इस अभियान में शामिल हो जाते हैं, तो एक वर्ष में पीएम10 का स्तर 1.5 टन और पीएम2.5 का 0.4 टन कम हो जाएगा।

राय ने एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, ''अभियान को 15 नवंबर तक जारी रखा जाना था। हालांकि, दिल्ली सरकार ने प्रदूषण की स्थिति को देखते हुए इसे 30 नवम्बर तक बढ़ाने का फैसला किया है।'' उन्होंने कहा कि इसे अभियान का चरण 2 कहा जाएगा। राय ने इससे पहले कहा था कि रेड लाइट पर इंतजार करने के दौरान वाहनों का इंजन बंद कर देने से वाहनों से होने वाले प्रदूषण में 15 से 20

प्रतिशत की कमी हो सकती है। राय ने विपक्ष से भी अपील की कि वह ऐसे बयान देने से बचे, जो पटाखों पर प्रतिबंध के खिलाफ लोगों को भड़काते हों। उन्होंने कहा, ''प्रतिबंध लागू करने में हमें सभी के समर्थन की आवश्यकता है। यदि आप इसका समर्थन नहीं कर सकते हैं, तो कृपया कोई भड़काऊ बयान न दें।

प्रदूषण लोगों के बीच अंतर नहीं करता।..कोविड-19 महामारी के चलते स्थिति गंभीर है।'' दिल्ली सरकार ने गत पांच नवंबर को 30 नवंबर तक शहर में सभी प्रकार के पटाखों की बिक्री और उपयोग पर प्रतिबंध लगा दिया था। सोमवार को, राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) ने भी राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में 9 नवंबर की आधी रात से 30 नवंबर की मध्यरात्रि तक सभी प्रकार के पटाखों की बिक्री या उपयोग पर पूर्ण प्रतिबंध लगा दिया था। मंत्री ने कहा कि दिल्ली में खुले में पराली जलाने में कमी लाने के लिए 'पूसा बायो-डीकंपोजर' सॉल्यूशन की प्रभावशीलता का पता लगाने के लिए गठित 15 सदस्यीय समिति बृहस्पतिवार को अपनी रिपोर्ट मुख्यमंत्री को सौंपेगी।

भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, पूसा के वैज्ञानिकों के अनुसार यह सॉल्यूशन 15 से 20 दिनों में पराली को खाद में बदल सकता है और इसलिए इससे पराली जलाने पर रोक लगेगी। यह पूछे जाने पर कि क्या दिल्ली सरकार सम-विषम योजना लाने की योजना बना रही है, राय ने कहा कि आप सरकार ने पहले से ही वाहन प्रदूषण को कम करने के लिए रेड लाइट ऑन, गाडी ऑफ अभियान शुरू किया है।उन्होंने कहा, ''यदि आयोग इस संबंध में कोई निर्देश जारी करता है, तो हम इसे लागू करेंगे।'' मंत्री ने लोगों से प्रदूषण के खिलाफ लड़ाई में अपना योगदान देने की भी अपील की।

उत्तर प्रदेश सरकार ने मार्च तक 50 लाख युवाओं को रोज़गार देने की पहल की

लखनऊ। (एजेंसी)।

उत्तर प्रदेश सरकार ने मिशन रोज़गार अभियान के तहत मौजूदा वित्त वर्ष के अंत (मार्च) तक 50 लाख युवाओं को रोज़गार देने की पहल की है। बुधवार को मुख्य सचिव राजेंद्र कुमार तिवारी की अध्यक्षता में मिशन रोज़गार के लिए बैठक आयोजित की गई जिसमें अपर मुख्य सचिव (एमएसएमई) एवं सूचना नवनीत सहगल ने योजना की रूपरेखा प्रस्तुत की। सरकार द्वारा बुधवार को जारी एक विज्ञप्ति के मुताबिक बैठक को संबोधित करते हुए मुख्य सचिव राजेंद्र कुमार तिवारी ने कहा कि हर विभाग अपनी रोज़गार योजना बनाएं और प्रशिक्षण एवं सेवायोजन निदेशालय द्वारा रोजगार से संबंधित डाटाबेस तैयार किया जाए।

उन्होंने बताया कि इस संबंध में प्रशिक्षण और सेवायोजन निदेशालय द्वारा एक ऐप और एक वेब पोर्टल भी विकसित किया जा रहा है। पोर्टल पर रोज़गार से संबंधित आंकड़ों को हर माह अपडेट किया जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रशासकीय विभागों के अंतर्गत समस्त निदेशालय, निगम बोर्ड, आयोग आदि अपने विभाग के लिए एक नोडल अधिकारी नामित करेंगे, जो रोज़गार से सम्बन्धित डाटा की प्रविष्टिके लिए उत्तरदायी होंगे।

अपर मुख्य सचिव नवनीत सहगल ने बताया कि इस वित्त वर्ष की समाप्ति तक रोज़गार व स्वरोजगार के 50 लाख अवसर सृजित किये जाने का लक्ष्य है जिनमें नियमित और 'आउटसोर्सिंग' के माध्यम से नियुक्तियों के अलावा, निजी क्षेत्र द्वारा की जाने वाली नियुक्तियां शामिल हैं। उन्होंने बताया कि कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम के द्वारा रोज़गार एवं स्वरोजगार सृजन के माध्यम से भी रोज़गार उपलब्ध कराए जाएंगे। मिशन रोज़गार की निगरानी के लिए शासन स्तर पर मुख्य सचिव की अध्यक्षता में जबकि जिला स्तर पर जिलाधिकारी की अध्यक्षता में समितियों का गठन किया जाएगा।

सही वक्त पर दुश्मन को दोस्त और दोस्त को दुश्मन बनाने में माहिर नीतीश एक बार फिर बनेंगे सीएम

पटना। (एजेंसी)।

राजनीति में सही समय पर दोस्तों को दुश्मन और दुश्मनों को दोस्त बनाने की कला में माहिर और करीब 15 साल से बिहार में सत्ता की कमान संभाल रहे नीतीश कुमार एक बार फिर बिहार में मुख्यमंत्री पद की कुर्सी पर बैठने के लिए तैयार हैं। भले ही इस बार चुनाव में जद (यू) का प्रदर्शन पहले जैसा नहीं रहा और उसे पिछली बार 2015 विधानसभा चुनाव में मिली 71 सीटों के मुकाबले इस बार मात्र 43 सीटें मिलीं हैं, लेकिन सियासी वक्त की नजाकत को समझने वाले नीतीश कुमार इस बार भी मुख्यमंत्री बने रहने में कामयाब रहे। मंडल की राजनीति से नेता बनकर उभरे नीतीश कुमार को बिहार को अच्छा शासन मुहैया कराने का श्रेय दिया जाता है, लेकिन उनके विरोधी उन पर अवसरवादी होने का आरोप लगाते रहे हैं। भले ही इसे राजनीतिक अवसरवादिता कहा जाए या उनकी बुद्धिमत्ता, राजनीतिक शतरंज की बिसात पर नीतीश की चालों ने वर्षों से सत्ता पर उनका दबदबा बनाए रखा है। नीतीश ने देश की राजनीति में अहम स्थान रखने वाले बिहार में हिंदुत्ववादी ताकतों का वर्चस्व कायम नहीं होने दिया और राज्य में उनके कद के कारण ही भाजपा ने केंद्र में सरकार बनाने के बावजूद बिहार में अपनी पार्टी से किसी को उम्मीदवार न बनाकर नीतीश को गठबंधन की ओर से उम्मीदवार घोषित किया। कोई भी राजनीतिक चाल चलने से पहले अपने सभी विकल्पों पर अच्छी तरह सोच-विचार करने के लिए जाने-जाने वाले कुमार कभी लहरों के विरुद्ध जाने से संकोच नहीं करते।

इंजीनियरिंग की पढ़ाई करने वाले कुमार ने जे पी आंदोलन में सक्रिय भूमिका निभाई, राज्य विद्युत विभाग में नौकरी का प्रस्ताव ठुकरा दिया और राजनीतिक जुआ खेलने का फैसला किया। बिहार के किसी शिक्षित युवा के लिए ''सरकारी नौकरी'' ठुकराकर राजनीति में भाग्य आजमाने का फैसला करना बड़ी बात है। जयप्रकाश नारायण के नेतृत्व वाले आंदोलन में अपने साथ राजनीति में कदम रखने वाले लालू प्रसाद और राम विलास पासवान के विपरीत कुमार को लंबे समय तक चुनाव में जीत नहीं मिली। उन्हें 1985 के विधानसभा चुनाव में लोक दल के उम्मीदवार के तौर पर हरनौत विधानसभा सीट से पहली बार सफलता मिली, हालांकि उस चुनाव में कांग्रेस ने भारी बहुमत हासिल किया था। यह चुनाव इंदिरा गांधी की हत्या के कुछ महीने बाद हुआ था। पहली चुनावी जीत के चार साल बाद वह बाढ़ लोकसभा क्षेत्र से निर्वाचित हुए। यह वही दौर था जब सारण से लोकसभा सदस्य रहे लालू प्रसाद पहली बार बिहार के मुख्यमंत्री बने थे। उस वक्त जनता दल के भीतर मुख्यमंत्री के लिए नीतीश ने लालू का समर्थन किया था। इसके बाद कुछ वर्षों में लालू प्रसाद बिहार की राजनीति में सबसे ताकतवर नेता के तौर पर उभरे, हालांकि बाद में चारा घोटाले में नाम आने और फिर पत्नी राबड़ी देवी को मुख्यमंत्री बनाने के बाद वह विवादों से घिरते चले गए। नीतीश ने भी 1990 के दशक के मध्य में ही जनता दल और लालू से अपनी राह अलग कर ली तथा बड़े समाजवादी नेता जॉर्ज फर्नांडिस के साथ समता पार्टी का गठन किया। उनकी समता पार्टी ने भाजपा के साथ गठबंधन किया और नीतीश ने एक बेहतरीन सांसद के रूप में अपनी पहचान बनाई तथा अटल बिहारी वाजपेयी के मंत्रिमंडल में बेहद ही काबिल मंत्री के तौर पर छाप छोड़ी। बाद में लालू प्रसाद और शरद यादव के बीच विवाद हुआ।

यादव ने अपनी अलग राह पकड़ ली। इसके बाद समता पार्टी का जनता दल के शरद यादव के धड़े में विलय हुआ जिसके बाद जनता दल (यूनाइटेड) वजूद में आया। जद(यू) का भाजपा का गठबंधन जारी रहा। साल 2005 की शुरुआत में हुए विधानसभा चुनाव में भाजपा-जद (यू) के गठबंधन वाला राजग कुछ सीटों के अंतर से बहुमत के आंकड़े दूर रह गया जिसके बाद राज्यपाल बूटा सिंह ने विधानसभा भंग करने की सिफारिश की जिसको लेकर विवाद भी हुआ। उस वक्त केंद्र में संप्रग की सरकार थी। इसके कुछ महीने बाद हुए विधानसभा चुनाव में नीतीश कुमार के नेतृत्व में राजग की बिहार में पूर्ण बहुमत की सरकार बनी और यहीं से बिहार की राजनीति में तथाकथित 'लालू युग' के पटाक्षेप की शुरुआत हुई। सत्ता में आने के बाद नीतीश ने नए सामाजिक समीकरण बनाने हुए पिछड़े वर्ग में अति पिछड़ा और दलित में महादिलत के कोटे की व्यवस्था की। इसके साथ ही उन्होंने स्कूली बच्चियों के लिए मुफ्त साइकिल और यूनीफार्म जैसे कदम उठाए और 2010 के चुनाव में उनकी अगुवाई में भाजपा-जद(यू) गठबंधन को एकतरफा जीत मिली। इसके बाद भाजपा में 'अटल-आडवाणी युग' खत्म हुआ और नरेन्द्र मोदी राष्ट्रीय राजनीति के क्षितिज पर आए तो नीतीश ने 2013 में भाजपा से वर्षों पुराना रिश्ता तोड़ लिया।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)